दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -167 जबलपुर, मंगलवार 28 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

संसद में गतिरोध बरकरार,अमित शाह से जवाब को अड़ा विपक्ष, कार्यवाही ठप

नई दिल्ली-(आरएनएस)। संसद में नीट प्रश्नपत्र लीक और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण गतिरोध बरकरार रहा, जिससे लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी। विपक्षी दल गृह मंत्री अमित शाह से छात्रों पर कार्रवाई के मामले में जवाब की मांग पर अड़े रहे, जिसके चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर पिछले सप्ताह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर लोकसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण प्रश्नपत्र लीक रोकने संबंधी प्रावधानों वाले विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी जिसे सरकार ने आज ही सदन में पेश किया था। छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले में गृह मंत्री अमित शाह से जवाब देने की मांग कर रहे कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे की वजह से सदन की बैठक तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा की बैठक भी सोमवार को चार बार के स्थगन के बाद शाम पांच बज कर पंद्रह मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, सूत्रों ने कहा कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाले विधेयक पर सत्तापक्ष और विपक्ष में सहमति बनी, कल चर्चा शुरू हो सकती है। सरकार ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाला संशोधन विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और कुछ अन्य सदस्यों का नाम लिया और कहा कि क्या इस विधेयक को लेकर वे कुछ बोलना चाहते हैं। हालांकि, किसी विपक्षी सदस्य ने इस पर अपनी बात नहीं रखी। बिरला ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विधेयक है। विधेयक से सदन और देश की मंशा पर व्यापक चर्चा होगी। सभी दलों के लोग इस विषय पर बहुत दिनों से चर्चा की मांग कर रहे थे। यह सुधार का प्रथम कदम है। मैं सोचता हूं कि सदन में इस पर चर्चा हो, सभी अपने मत व्यक्त करें ताकि हम इस पर बात कर सकें कि किस तरह से इस विधेयक के माध्यम से पेपर लीक को रोकने का समुचित कदम उठा सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज सुबह उम्मीद थी कि आज विपक्ष चर्चा को तैयार होगा। आखिरकार, वे लंबे समय से पेपर लीक और हमारे छात्रों के भविष्य पर चर्चा करने की मांग कर रहे हैं। हम एक बहुत महत्वपूर्ण बिल लाए हैं - पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026। हमने कल और आज सुबह भी कांग्रेस से अपील की, फिर भी वे सहयोग करने को तैयार नहीं हैं... बाहर कांग्रेस के सदस्य दावा करते हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है।

नीट संकट के बीच संसद पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान, एनडीए सांसदों ने किया जोरदार स्वागत

नई दिल्ली-(आरएनएस)। नीट पेपर लीक विवाद के कारण इस्तीफ़ा देने के बाद पहली बार संसद पहुंचे पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री और सांसद धर्मेंद्र प्रधान का सोमवार को एनडीए नेताओं ने ज़ोरदार स्वागत किया। पार्टी के साथियों ने धर्मेंद्र प्रधान ज़िंदाबाद के नारे लगाकर और सम्मान देकर उनका स्वागत किया। प्रधान के आने से पहले ही कई और सांसद संसद के मकर द्वार पर जमा हो गए थे। जैसे ही वे संसद परिसर में दाखिल हुए, सांसदों ने धर्मेंद्र प्रधान ज़िंदाबाद के नारे लगाए, उन्हें अंदर तक साथ ले गए और एक खास टोपी पहनाई। यह पूर्व मंत्री के प्रति सत्ताधारी गठबंधन के समर्थन और एकजुटता को दिखाता है।

दूसरी ओर, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान उन पर कथित तौर पर अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने को लेकर संसद परिसर के भीतर विरोध-प्रदर्शन किया। शिक्षा चोरी के नारे लगाते हुए, विपक्षी सांसदों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से माफी की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव उन विपक्षी नेताओं में शामिल थे जिन्होंने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

भोपाल -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का खंडवा के बलराम कृषि महोत्सव में हल भेंट कर अभिनन्दन किया गया ।

दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो फ्लाइट से निकलने लगा धुआं, राजकोट में इमरजेंसी लैंडिंग, सैकड़ों यात्रियों की जान

राजकोट(आरएनएस)।. दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब हवा में ही विमान से धुआं निकलने लगा. किसी बड़े अनहोनी के अंदेशे को देखते हुए पायलट ने अपनी सूझबूझ और तत्परता का परिचय दिया और गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई. पायलट के सही समय पर लिए गए सटीक निर्णय से विमान को रनवे पर सुरक्षित उतार लिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स की जान बाल-बाल बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया. राजकोट एयरपोर्ट के डायरेक्टर दिगंत बोराह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इंडिगो का यह विमान दुबई से मुंबई की उड़ान पर था. इसी दौरान पायलट को विमान के कार्गो होल्ड एरिया से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया. हालात की गंभीरता को भांपते हुए पायलट ने बिना कोई समय गंवाए तुरंत राजकोट एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क साधा और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी. एटीसी से हरी झंडी मिलते ही विमान को राजकोट एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया गया. फिलहाल विमान के सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं और तकनीकी टीम धुएं के कारणों की जांच में जुटी हुई है. इंडिगो की फ्लाइट में इस तरह के हादसे का यह कोई पहला मामला नहीं है. इसी साल 5 मई को पंजाब के मोहाली स्थित शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी एक बड़ा हादसा होते-होते बचा था. लैंडिंग के तुरंत बाद ही एक यात्री के पावर बैंक में अचानक जोरदार ब्लास्ट हो गया था, जिससे पूरे केबिन में धुआं फैल गया और यात्रियों के बीच भारी अफरातफरी मच गई थी.

सीजेपी की सरकार को कड़ी चेतावनी, कहा

छात्रों पर एफआईआर वापस लो,नहीं तो सड़क पर फिर उतरेंगे

नई दिल्ली. (आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने छात्र आंदोलन फिर से शुरू करने की धमकी दी है. सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रंका ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं. रंका ने लिखा कि बिहार और बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है. दिल्ली और दूसरे राज्यों में सैकड़ों छात्रों पर नजर रखी जा रही है और उन्हें परेशान किया जा रहा है. दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को लॉजिस्टिक्स सपोर्ट देने वाले वॉलंटियर्स को भी डिटेन किया जा रहा है. इस तरह सरकार से हुए समझौते का पूरा उल्लंघन हो रहा है. रंका ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- हमने सरकार से साफ समझौता किया था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई पुलिस एक्शन नहीं होगा. लेकिन वो वादा तोड़ा जा रहा है. इसको लेकर सीजेपी ने सख्त चेतावनी दी है. रंका ने सरकार से मांग की है कि छात्रों पर हुईं

शताब्दीपुरम में जेडीए की बेदखली कार्रवाई पर पर भड़के बीजेपी एमएलए अभिलाष, प्रभावितों को

अतिक्रमण हटाने के विरोध में हंगामा, विधायक ने दी चेतावनी

जबलपुर।(नगर प्रतिनिधि) उखरी के अतिक्रमण हटाने के दौरान जमकर हंगामा हुआ। रहवासियों ने कार्रवाई के विरोध में चकाजाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया।

जबलपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम की टीम जबलपुर के उखरी क्षेत्र में हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण हटाने पहुंची पर कार्रवाई के दौरान भाजपा विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय अधिकारियों पर भड़क गए। उन्होंने जेडीए के सीईओ को सख?ती बरतते हुए कहा कि कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। जेडीए अधिकारी, शिक्षा समिति से चर्चा और कार्रवाई टाली रहवासियों के प्रदर्शन को देखते हुए विरोध की सूचना पाकर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय ने जेडीए अधिकारी, शिक्षा समिति से चर्चा और कार्रवाई टाल दी गई।

दरअसल केसरवानी शिक्षा समिति की भूमि पर वर्षों से किए गए कब्जे को हटाने के लिए नगर निगम, जेडीए और पुलिस की संयुक्त टीम पहुंची थी। आधारताल एडीएम पंकज मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कार्रवाई शुरू होती उसके पहले ही बस्ती के सैकड़ों रहवासी सड़क पर उतर आए और चका जाम कर दिया। अचानक हुए विरोध के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस और प्रशासन ने मोर्चा संभाला तथा लोगों से लगातार बातचीत की।

जेडीए के आवासों में किया जाएगा शिफ्ट

गतिरोध बढ़ता देख विधायक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रशासन, जेडीए और केसरवानी समाज के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर बस्तीवासियों को पुनर्वास का भरोसा दिलाया। भाजपा विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय ने बताया कि रहवासी के साथ ही केसरवानी शिक्षा समिति, जेडीए और नगर निगम के अधिकारियों के बीच वार्ता की गई। ये निर्णय हुआ कि जेडीए के खाली पड़े ईडब्ल्यूएस आवासों में पात्र परिवारों को उपलब्ध कराया जाएगा।

शहडोल में बिजली गिरने से 3 की मौत, 5 से ज्यादा घायल

शहडोल.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में रविवार की देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार से अधिक लोग घायल हुए हैं. मृतकों में एक 11 साल का बच्चा भी शामिल है. ये सभी घटनाएं तेज बारिश के दौरान खेतों और खुले स्थानों पर हुईं. पुलिस ने मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

पहली घटना झींक बिजुरी चौकी क्षेत्र के ग्राम झींक में सामने आई. यहां धान की रोपाई कर रहे लोगों पर बिजली गिरी, जिससे किशन (28) पत्नी राकेश गंभीर रूप से घायल हो गईं. उन्हें पहले झींक बिजुरी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर नहीं मिलने पर जिला अस्पताल शहडोल रेफर किया गया. इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनकी हालत स्थिर है.

दूसरी घटना दरशिला चौकी क्षेत्र के छुटकी टोला में हुई. खेत में रोपाई कर रहे किसान सुंदर (45) पाव पर आकाशीय बिजली गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई. हादसे में दो अन्य ग्रामीण भी घायल हुए, जिनका इलाज चल रहा है. इसी दरशिला चौकी क्षेत्र के रेकोवा गांव में भी खेत में काम कर रहे दो

संसद मार्च का ऐलान, मैदान में अब ई20 जनता पार्टी

धर्मेंद्र प्रधान के बाद अब गड़करी के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली.(आरएनएस)। देश में एथनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है. खुद को ई-20 जनता पार्टी बताने वाले एक ऑनलाइन अभियान ने एथनॉल मिश्रण नीति के खिलाफ 4 अगस्त को संसद मार्च का ऐलान किया है. इस अभियान को टैक्सी और परिवहन संगठनों का भी समर्थन मिलने का दावा किया जा रहा है.

अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि मौजूदा एथनॉल ब्लेंडिंग नीति में कई खामियां हैं. उनका आरोप है कि ई-20 पेट्रोल से वाहनों का माइलेज प्रभावित होता है, इंजन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और रखरखाव का खर्च बढ़ता है. साथ ही उन्होंने सरकार से नीति की समीक्षा करने और वाहन मालिकों को अपनी जरूरत के अनुसार ईंधन चुनने की स्वतंत्रता देने की मांग की है. अभियान की प्रमुख मांग है कि देशभर में ई0 (शुद्ध पेट्रोल) उपलब्ध कराया जाए और उपभोक्ताओं को ई0, ई20 या ई85 में से अपनी पसंद का ईंधन चुनने का विकल्प मिले. अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि किसी एक प्रकार के ईंधन को अनिवार्य रूप से लागू नहीं किया जाना चाहिए. उनका यह भी दावा है कि बेहतर नीति बनने पर पेट्रोल की कीमतें 80-90 रुपये प्रति लीटर तक लाई जा सकती हैं और किसानों के हितों का भी बेहतर संरक्षण हो सकता है. दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने भी 4 अगस्त को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च करने की घोषणा की है. संगठन के अध्यक्ष संजय सम्राट के अनुसार, देशभर के टैक्सी, बस, टूरिस्ट वाहन संचालक, ट्रांसपोर्टर, ऑटो चालक और वाहन मालिक इस प्रदर्शन में शामिल होंगे. उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन के कारण परिचालन लागत बढ़ी है और वाहन मालिक आर्थिक दबाव झेल रहे हैं. ई-20 जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर अभियान चलाया जा रहा है. हालांकि, इस अभियान का कोई औपचारिक राजनीतिक संगठन या घोषित संस्थापक अब तक सामने नहीं आया है. फिलहाल इसे नागरिकों द्वारा शुरू किया गया एक डिजिटल अभियान माना जा रहा है. सोशल मीडिया पर इसके समर्थकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और अभियान के माध्यम से शुद्ध पेट्रोल उपलब्ध कराने तथा एथनॉल मिश्रण नीति में बदलाव की मांग उठाई जा रही है. अभियान से जुड़े लोगों ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की है. वहीं सरकार की ओर से एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम को ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरणीय लाभों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया जाता रहा है.

बिहार में एके-47 और दिल्ली में पैलेट गन, राहुल गांधी का आरोप- युवाओं के भविष्य पर गोलियां चला रही सरकार

नई दिल्ली-(आरएनएस)। बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर एके-47 का इस्तेमाल हुआ, राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर छात्रों के साथ बर्बरता करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई गईं और दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर से निशाना साधते हुए, गांधी ने छात्रों से माफ़ी मांगने की मांग की और सरकार से कहा कि वह प्रदर्शनकारियों के बजाय इस कार्रवाई के लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करे। सिवान ज़िले में 25 जुलाई को बिहार बंद के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर एके-47 राइफ़ल का इस्तेमाल करते हुए एक पुलिसकर्मी का वीडियो वायरल होने के बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया।

राहुल गांधी का आरोप

राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर एके-47 राइफलों से गोलियां चलाई गईं, जबकि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया।

प्रधानमंत्री से माफी की मांग और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने मांग की कि सरकार को देश के छात्रों और युवाओं से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को प्रदर्शन कर रहे निर्दोष युवाओं को निशाना बनाने के बजाय उन अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए जो इस जानलेवा कार्रवाई के लिए जिम्मेदार हैं।

वायरल वीडियो के बाद सिपाही सस्पेंड, जांच के आदेश

यह पूरा मामला 25 जुलाई को बिहार के सिवान जिले में %बिहार बंद% के दौरान सामने आया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल कथित तौर पर प्रदर्शनकारी छात्रों की ओर,च-47 से फायरिंग करता हुआ दिखाई दे रहा है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना लार्डगंज यादव कालोनी में रात कछपुरा ब्रिज के पास चौक में पान टपरों के सामने एक व्यक्ति के घायल अवस्था में पड़ा होने की सूचना पर पहुँची पुलिस को संतोष ठाकुर उम्र 28 वर्ष निवासी कालीमठ मदनमहल घायल अवस्था में पड़ा मिला जिसे तत्काल उपचार हेतु विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराये जहां संतोष ठाकुर ने बताया कि कछपुरा मालगोदाम में ड्रायवरी का काम करता है रात लगभग 8-30 बजे वह रवि केवट की मोटर सायकल में रवि केवट के साथ तथा दूसरी मोटर सायकल में उसका भाई मुकेश ठाकुर, राजू राजपूत के साथ कछपुरा ब्रिज के पास सत्यम के पान टपरा के सामने पहुँचे,

जबलपुर को मिली नई सौगात, जिला अस्पताल विक्टोरिया में नव निर्मित एमआरआई केन्द्र का हुआ लोकार्पण

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं उत्तर-मध्य जबलपुर विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने फीता काटकर किया शुभारंभ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जरूरतमंद मरीजों को जिला अस्पताल विक्टोरिया में भी अब एमआरआई कराने की सुविधा मिलना प्रारंभ हो गयी है, ऐसा करने वाला जबलपुर जिला अस्पताल प्रदेश का चौथा जिला अस्पताल है जहां पर यह जनहितैषी एमआरआई सुविधा बहुत ही कम दामों में उपलब्ध होगी जबकि आयुष्मान कार्ड धारकों को यह सुविधा निःशुल्क प्राप्त मिलेगी। आज दिनांक 27 जुलाई 2026 को शासकीय सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय में भव्य गरिमामयी लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मध्य प्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री माननीय श्री राकेश सिंह जी उपस्थित थे साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर मध्य विधायक माननीय डॉ अभिलाष पाण्डेय ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर कैंट विधायक माननीय अशोक रोहाणी जी, बरगी विधायक माननीय श्री नीरज सिंह जी तथा नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया उसके उपरांत लोक निर्माण मंत्री मप्र शासन माननीय श्री राकेश सिंह जी एवं उत्तर मध्य विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने नवनिर्मित एमआरआई केंद्र पहुँचकर फीता काटकर शुभारंभ किया और आमजनता को समर्पित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री माननीय श्री राकेश सिंह जी ने अपने भाषण में कहा कि जिला अस्पताल तक एमआरआई की सुविधा मिलना बहुत बड़ी बात होती है और यह सौगात जबलपुर को मिली है। इसके लिए यह मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में निरंतर ही एक पर एक नई सौगातें आमजन को दे रही है। आज से जरूरतमंद लोगों को बहुत ही कम दामों पर एमआरआई की सुविधा प्राप्त होगी। जबकि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह बिल्कुल निःशुल्क होगी। सेठ गोविंद राज्य चिकित्सालय शहर के हृदय स्थल में स्थित है इससे आसपास के चारों तरफ के रोगियों को इसका लाभ मिलेगा। यहां बहुत अच्छे डॉक्टर हैं जो अच्छी सेवाएं दे रहे हैं और स्टाफ भी अच्छा कार्य कर रहा है। मैं इसके लिए जबलपुर की जनता को शुभकामनाएं देता हूँ।

वंही अपने अध्यक्षीय भाषण में माननीय विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय जी ने बताया कि लगभग 7.5 ? करोड़ की लागत से यह एमआरआई मशीन संस्था कृष्णा डायग्नोस्टिक्स की मदद से लगाई गई है, जो कि निश्चित रूप से जबलपुर के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में निरंतर उल्लेखनीय वृद्धि करती जा रही है जिससे कि आमजन को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हों ताकि उन्हें सहूलियत मिले।

कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने अपने स्वागतीय उद्बोधन में सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि जबलपुर जिला प्रदेश के उन चार प्रमुख महानगरों में शामिल हो गया है जहां जिला चिकित्सालय में एमआरआई की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रदेश शासन ने प्रथम चरण में चार प्रमुख महानगरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर का चयन किया है। जबलपुर की जनता के लिए निःसंदेह बड़ी सौगात होगी क्योंकि यहां कृष्णा डायग्नोस्टिक की तरफ से बहुत ही कम रियायती दरों में यह सेवा मिलेगी। सीजीएचएस से भी कम 33त्न सस्ती दरों में एमआरआई की सुविधा जनता को मिलेगी।

मंच पर संयुक्त कलेक्टर सृष्टि प्रजापति,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी, वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ रत्नेश कुरारिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विनीता उप्पल, डॉ जया श्रीवास्तव एवं डॉ नीता पाराशर, अस्पताल प्रबंधक अरुण शाह की उपस्थिति रही । कार्यक्रम के अंत में सीएमएचओ डॉ नवीन कोठारी ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं उपस्थित जनसामान्य का कार्यक्रम में पधारने एवं सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। मंच का कुशल संचालन जिला मीडिया अधिकारी श्री अजय कुरील के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चंद्रप्रकाश सिंह चीफ फाइनेंशियल कोऑर्डिनेट, श्री समीर कदम स्टेट हेड, श्री रतन सिंह रानावत स्टेट सीईओ, श्री विक्रम पटेल एमआरआई मैनेजर, जिला चिकित्सालय के चिकित्सकगण एवं स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने की सफाई, सीवर, पी.एम. स्वनिधि और राजस्व वसूली की समीक्षा

शहर को बनाया जायेगा पूरी तरह से गार्बेज फ्री सिटी - निगमायुक्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर को अधिक स्वच्छ, सुंदर बनाने की दिशा में नगर निगम द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इन सभी प्रयासों के कारण नगर निगम की कार्यप्रणाली और व्यवस्था में काफी सुधार आया है। सुधार कार्यो को और अधिक प्रभावी बनाने के तारतम्य में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा भी नियमित रूप से जमीनी धरातल पर प्रयास किये जा रहे हैं। इन सभी कार्यो को और अधिक गति प्रदान करने निगमायुक्त श्री अहिरवार के द्वारा समीक्षा बैठक ली गयी। बैठक में अमृत फेस-1 सीवर योजना, डुमना नेचर पार्क में पौधारोपण, पी.एम. स्वनिधि योजना तथा राजस्व विभाग के वसूली अभियान की प्रगति का विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में राजस्व अमले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। निगमायुक्त ने उनके समर्पण और बेहतर कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उन्हें स्मार्ट टैब और स्मार्ट वॉच उपहार स्वरूप प्रदान की। निगमायुक्त की इस पहल से निगम कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है और इससे अन्य कर्मियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

वसूली अभियान को मिली गति, तय हुआ दैनिक लक्ष्य

बैठक में निगमायुक्त द्वारा शहर के विकास कार्यों को निर्बाध गति देने के लिए राजस्व वसूली में तेजी लाने का निर्णय लिया गया है और राजस्व अमले के सभी सदस्यों को प्रतिदिन 50 हजार रूपये की वसूली करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। संभागीय स्तर पर जारी इस अभियान की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश संभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके।

शहर को कचरा मुक्त और सुंदर बनाने के लिए निगमायुक्त श्री अहिरवार ने स्वच्छता मुहिम चलाने अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी संभागीय अधिकारी आज से ही रोजाना सुबह शहर का भ्रमण करेंगे। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे कचरे के ढेरों और सी एंड डी वेस्ट मटेरियल को तुरंत उठवाकर शहर को पूरी तरह गार्बेज फ्री करने का कार्य किया जायेगा।

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी का विखंडन स्वीकार नहीं, जबलपुर के अधिकारों पर कुठाराघात का हर स्तर पर होगा विरोध- कांग्रेस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना वर्ष 2011 में जबलपुर में हस्ड्ढ के लंबे संघर्ष, जनआंदोलन एवं छात्र-युवा शक्ति के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप हुई थी। उस समय वर्ष 2010-11 में हस्ड्ढ जबलपुर द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना के समर्थन में व्यापक आंदोलन किए गए थे, जिनका उद्देश्य महाकौशल क्षेत्र को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान का एक सशक्त केंद्र बनाना था। उक्ताशय की विज्ञप्ति नगर कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रिज़वान अली कोटी ने जारी की है।।

नगर कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रिज़वान अली कोटी ने कहा है कि अब प्रदेश सरकार द्वारा मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी का विखंडन कर उसके एक महत्वपूर्ण भाग को उज्जैन स्थानांतरित किए जाने की तैयारियाँ अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं जनभावनाओं के विपरीत हैं। यदि यह निर्णय लागू किया जाता है तो इससे न केवल विश्वविद्यालय की मूल अवधारणा प्रभावित होगी, बल्कि जबलपुर एवं महाकौशल क्षेत्र के लाखों विद्यार्थियों, शोधार्थियों, चिकित्सकों तथा आम नागरिकों के हितों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि किसी भी क्षेत्र के विकास का विरोध नहीं है, लेकिन किसी स्थापित एवं सफल विश्वविद्यालय को विभाजित कर दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करना न्यायसंगत नहीं है। प्रदेश सरकार यदि नए संस्थानों की स्थापना करना चाहती है तो वह नए विश्वविद्यालय स्थापित करे, किंतु जबलपुर के अधिकारों एवं उसकी ऐतिहासिक उपलब्धियों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम प्रदेश सरकार से मांग करते हैं कि मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के विखंडन अथवा उसके किसी भी विभाग को जबलपुर से स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तत्काल निरस्त की जाए। अन्यथा छात्र संगठन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन एवं जबलपुर की जनता लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। जबलपुर की जनता अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट है और मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के विखंडन का पुरजोर विरोध करती है। कांग्रेस के बादल पंजवानी, कपिल भोजक, सागर शुक्ला, अमित सोनकर, रिंकू बदलानी, आयुष पहारिया, शफ़ी खान, एजाज़ अंसारी आदि ने सरकार के ख़िलाफ़ क्रमबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है।।

ऐतिहासिक एवं पारदर्शी प्रक्रिया के साथ मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद निर्वाचन-2026 की प्रथम चरण की मतगणना सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद निर्वाचन-2026 ने आज एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पड़ाव पार करते हुए प्रथम चरण की मतगणना प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली। आज पाली, मानपुर, उमरिया, कुरवाई, लटेरी, सिरौंज, गंजबासौदा, ग्यासरपुर एवं विदिशा की गतपेटियों की मतगणना शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुख्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई। इसके साथ ही निर्वाचन में प्राप्त सभी मतों की गणना भी पूर्ण हो गई। लगातार चले इस व्यापक निर्वाचन कार्य में मतगणना के प्रथम चरण को उच्च स्तर की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं अनुशासन के साथ सम्पन्न कराया गया। मतगणना स्थल पर सुरक्षा, व्यवस्थाओं एवं प्रशासनिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला, जिसके परिणाम स्वरूप संपूर्ण प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के समयबद्ध रूप से सम्पन्न हुई। अधिवक्ता समुदाय के सहयोग, धैर्य एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने इस निर्वाचन को गरिमायुक्त स्वरूप प्रदान किया। वर्तमान मतगणना चरण में 1. राकेश सिंह भदौरिया, 2. विवेक सिंह, 3. आर.के. सिंह जैन, 4. नरेन्द्र कुमार जैन एवं 5. संदीप मेहता को प्रथम वरीयता मतों में प्रमुख बढ़त प्राप्त हुई। इस निर्वाचन की सबसे उत्कृष्ट उपलब्धियों में महिला अधिवक्ताओं की अभूतपूर्व, सशक्त एवं प्रभावशाली भागीदारी रही। महिला प्रत्याशियों ने पूरे निर्वाचन के दौरान अपने नेतृत्व, सक्रियता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति समर्पण का प्रभावी परिचय दिया, जिसने अधिवक्ता समाज में महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका को और अधिक सशक्त बनाया। प्रथम चरण में 1. प्रवीण तिवारी, 2. अन्नु पटेल, 3. प्रतीका पाठक, 4. रिशिम अहनु जैन एवं 5. प्रतिभा बालिया को प्रथम वरीयता मतों में प्रमुख बढ़त प्राप्त हुई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 18वीं छःमाही बैठक सपन्न

राजभाषा शील्ड, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय क्रमांक-02, जबलपुर की 18वीं छमाही समीक्षा बैठक 27 जुलाई 2026 को समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल श्री दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री सिंह ने कहा कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के गठन का उद्देश्य जबलपुर नगर में स्थित केंद्रीय कार्यालयों, संस्थानों, उपक्रमों एवं निगमों आदि में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार को बढ़ावा देना है। राजभाषा हिंदी हमारे संवैधानिक राजभाषा दायित्व के साथ-साथ प्रशासनिक कार्य को सरल, सहज एवं जनसुलभ बनाने का प्रभावी माध्यम है। हमारा उद्देश्य नियमों को पालन करने के साथ-साथ दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करना भी है।

महाप्रबंधक ने वर्ष 2025 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले केंद्रीय कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों को सम्मानित किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले 03 कार्यालयों को राजभाषा शील्ड, 03 कार्यालयों को राजभाषा ट्रॉफी तथा 06 सदस्य कार्यालयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

श्री सिंह ने सदस्य कार्यालयों का आह्वान करते हुए कहा कि दैनिक सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग करें तथा भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम वर्ष 2026-27 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सकारात्मक एवं प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने आगे कहा कि आज के डिजिटल युग में ई-मेल, पोर्टल एवं विभिन्न ऑनलाइन प्रणालियों में हिंदी का प्रभावी उपयोग समय की मांग है। इसलिए हमें अपने कार्यालयीन कार्यों में सरल, सहज एवं आम बोलचाल की भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए, ताकि हमारी बात आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एम.एस. हाशमी ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी कार्यालयों को बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि समिति के सभी सदस्य कार्यालयों में दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार में निरंतर प्रगति हो रही है। सरकारी कामकाज में सरल एवं सामान्य हिंदी का आधिकारिक प्रयोग भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जनसाधारण की भाषा में सरकारी कामकाज होने से विकास की गति तेज होगी तथा प्रशासन में पारदर्शिता और जनसुलभता बढ़ेगी। बैठक में विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के प्रशासनिक एवं विभाग प्रमुख, अन्य प्रतिनिधि अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री विवेक कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर समरसता सेवा संगठन द्वारा श्री गुरु चरण वंदन समारोह एवं भजन संध्या आज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर समरसता सेवा संगठन जबलपुर द्वारा कल मंगलवार 28 जुलाई को रात्रि 8ः30 बजे से सिटी बंगाली क्लब, करमचंद चौक में श्री गुरु चरण वंदन समारोह एवं भजन संध्या आयोजन किया गया है।

समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री पवन पांडे ने बताया समरसता सेवा संगठन द्वारा इस वर्ष प्रत्येक माह एक कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया था इसी तारतम्य में गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर पूर्व संध्या पर संस्कारधानी वासियों को अपने-अपने गुरु जनों की पूजा-अर्चना एक ही स्थान पर करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। धर्मक्षेत्र के सभी गुरुजन समरसता सेवा संगठन के मंच पर विराजमान होंगे। विधि-विधान से गुरुशक्ति का पूजन-वंदन होगा। आयोजन में आम जन भी गुरुवंदन करेंगे, साथ ही प्रसादी का वितरण भी किया जायेगा।

उन्होंने बताया गुरुपूजन के के साथ ही भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है, जिसमे भजन गायक प्रभु भजनो की प्रस्तुति देंगे। समरसता सेवा संगठन द्वारा गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर आयोजित गुरुपूजन एवं भजन संध्या में सपरिवार पधारकर पूज्य संतजनों के श्रीचरणों में वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई है।

निशातपुरा को मिली बड़ी रेल सुविधा, दो एक्सप्रेस ट्रेनों का होगा ठहराव

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के निशातपुरा (भोपाल) रेलवे स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की शुरुआत की जा रही है। इस अवसर पर 28 जुलाई, मंगलवार को शाम 5 बजे निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस तथा जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस के निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर नियमित ठहराव का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और सांसद आलोक शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इन ट्रेनों के निशातपुरा में ठहराव से क्षेत्र के यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी तथा क्षेत्र की रेल संपर्क व्यवस्था और अधिक मजबूत बनेगी। यह पहल स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षकों के साथ बंद हो भेदभाव. हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति वेतनमान से वंचित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर के जिला सचिव ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मध्यप्रदेश के अधिकांश संभागों में माध्यमिक शिक्षक से उच्च माध्यमिक पदोन्नत शिक्षकों को 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति वेतनमान का लाभ प्रदान किया जा चुका है। किंतु जबलपुर संभाग के शिक्षकों को आयुक्त, शिक्षा संचालनाय भोपाल से केवल मार्गदर्शन प्राप्त नहीं होने का आधार बताकर लाभ से वंचित रखा जा रहा है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आदेश पारित होने के बाद भी उसका प्रभावी पालन संयुक्त संचालक शिक्षा जबलपुर द्वारा नहीं किया जा रहा है। इससे जबलपुर संभाग के शिक्षकों में गहरा असंतोष व्याप्त है तथा इसे समानता के संवैधानिक सिद्धांत के विरुद्ध माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर ने माननीय मुख्यमंत्री. शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त लोक शिक्षण से मांग की है कि जबलपुर संभाग के पात्र शिक्षकों को बिना किसी विलंब के 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति वेतनमान का लाभ प्रदान किया जाए तथा प्रदेशभर में एक समान नीति लागू की जाए।

भोपाल-उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी के उन्नयन एवं विस्तार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को मास्टर प्लान के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी का विस्तार केवल पर्यटन की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, अनुसंधान और जन-जागरूकता को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्रीमती समीता राजौरा भी उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 82.70 लाख से अधिक किसानों को 3308 करोड़ रूपए अंतरित-प्रत्येक हितग्राही किसान के खाते में पहुंचे एकमुश्त चार हजार रूपए

किसानों को वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का जरिया है बलराम कृषि महोत्सव -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने खंडवा जिला मुख्यालय में हुये बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश के 82 लाख 70 हजार से अधिक किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत 3308 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से अंतरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई उन्नत कृषि पर केंद्रित कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, किसान इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खंडवा की बात ही अलग है। अतीत का खानदेश अब कई खासियतों के लिए मशहूर है। यहाँ की काली मिट्टी फसलों के लिए सोने जैसी है। इसीलिए यहां की फसलें भी सोने के भाव बिकती हैं। खंडवा जिले के हर खंड में किसानों की मेहनत से खुशहाली है। बात खेती-किसानी की हो, या जल और पर्यावरण बचाने की, खंडवा हर मामले में अव्वल है। यहां के परिश्रमी किसानों ने अपनी उद्यमशीलता और नवाचारों से पूरे देश और प्रदेश में खेती का एक अलग ही स्टैंडर्ड मॉडल सेट किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से अनुरोध करते हुए कहा कि बलराम कृषि महोत्सव आपका अपना महोत्सव है। इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती अब गुज़रे ज़माने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच करायें। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रायायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें। फसल विविधीकरण अपनाएं। एक ही किस्म की फसल के स्थान पर एक ही समय में खेत में एकाधिक फसल लें। इससे किसानों के खेतों में नई फसल किस्मों की हरियाली आयेगी, साथ ही आमदनी भी बढ़ेगी।

किसानों के प्रति सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार लगातार किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसान अपनी मेहनत और पसीने से धरती से अन्न उगाते हैं और भूखों को अनाज उपलब्ध कराते हैं। किसानों के प्रति हमारी सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान है। किसान भाइयों को आज एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की क्षमताओं को पहचानती है। भारत वह देश है, जो अपनी परम्पराओं में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखते हुए संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो पर विश्वास करती है। भगवान बलराम कृषि क्षेत्र के पहले देवता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने के लिए हम वर्ष 2026 को %कृषक कल्याण वर्ष% के रूप में मना रहे हैं। इसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह किसानों के प्रति हमारी संकल्प शक्ति का ही परिणाम है कि आज प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 65 लाख हैक्टेयर हो गया है, जो कि वर्ष 2002-03 से पहले मात्र 44 लाख हैक्टेयर था। पिछले ढाई साल में सिंचाई का रकबा 10 लाख हैक्टेयर से अधिक बढ़ चुका है।

निशातपुरा रेलवे स्टेशन से भोपाल के विकास को मिलेगी नई रफ्तार - मंत्री सारंग

भोपाल-(आरएनएस) सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को नव विकसित निशातपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने रेलवे एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा सभी तैयारियां समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में आधुनिक परिवहन एवं आधारभूत संरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। रेलवे, सड़क और शहरी कनेक्टिविटी की परियोजनाएं न केवल नागरिकों का जीवन आसान बनाएंगी, बल्कि भोपाल को देश के अग्रणी एवं आधुनिक महानगरों की श्रेणी में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन का संचालन केवल एक नए रेलवे स्टेशन का शुभारंभ नहीं, बल्कि तेजी से विकसित हो रहे भोपाल की नई पहचान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई महत्वपूर्ण अधोसंरचना है। यह भोपाल के लाखों नागरिकों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात साबित होगी। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निशातपुरा रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद स्टेशन से यात्री रेल सेवाओं का नियमित संचालन प्रारंभ होगा। इंदौर की ओर जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न

राष्ट्रीय और राज्य मार्गों के किनारे निर्माण कार्यों में तय सुरक्षा दूरी का पालन कराया जाए-कलेक्टर सिंह

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रे ट सभागार में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंकने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का विभागवार विश्लेषण तैयार किया गया है। जिसमें अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरता से अध्ययन कर उनके मूल कारणों की पहचान करते हुए सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो तथा शिकायतकर्ता से संपर्क कर वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में समग्र 2.0 पोर्टल पर मैपिंग और समग्र ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि पीएम किसान भुगतान, अवैध अतिक्रमण, नामांतरण और सीमांकन से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। उन्होंतने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत शेष बल्क वेस्ट जनरेटर संस्थानों, जैसे होटल, अस्पताल, सोसायटी आदि का रजिस्ट्रेशन शीघ्र पूरा करने, साइट निरीक्षण कर जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में कलेक्टर श्री सिंह ने अपात्र हितग्राहियों के नाम सूची से हटाने की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि रोड सेफ्टी समिति और हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स की नियमित बैठकें आयोजित की जाएं।

राष्ट्रीय और राज्य मार्गों के किनारे निर्माण कार्यों में तय सुरक्षा दूरी का पालन कराया जाए। जहां अतिक्रमण हो, वहां सीमांकन कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए। बैठक में उन्होंने न्यायालय से जुड़े लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पाटन में न्यायालय कार्यालय के लिए भूमि उपलब्ध कराने, न्यायिक अधिकारियों के आवास तथा अन्य लंबित मामलों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही आरआरसी वसूली, न्यायालयीन प्रकरणों और कोर्ट फीस माफी से जुड़े मामलों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा।

एम पी ट्रांसको में सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने आयोजित हुई कार्यशाला

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्मिकों एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए सुरक्षा एवं कार्यस्थल जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

अधीक्षण अभियंता श्री एम.पी. पटेल की पहल एवं निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य प्रणाली, दुर्घटना निवारण, कार्यस्थल पर सतर्कता तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों के पालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक कर्मचारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इससे न केवल मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि विद्युत पारेषण व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बनी रहती है।

वर्क परमिट प्रक्रिया से कराया अवगत 220 केवी सबस्टेशन सिरमौर तथा 132 केवी सबस्टेशन कटरा एवं मऊगंज में आयोजित कार्यशाला में सबस्टेशनों की सुरक्षा, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। कर्मचारियों को वर्क परमिट जारी करने एवं निरस्त करने की निर्धारित प्रक्रिया से अवगत कराया गया तथा इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिदिन रात्रि में स्विचयार्ड के हॉट प्वाइंट सर्वे, यार्ड में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों के दैनिक एवं गहन निरीक्षण तथा उपकरणों की नियमित मॉनिटरिंग के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भी दी गई जानकारी-

कार्यशाला में कर्मचारियों को हेलमेट, गमबूट, सुरक्षा जूते एवं हैंड ग्लव्स जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त सभी आउटसोर्स कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) एवं कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआईसी) योजनाओं के लाभों की जानकारी प्रदान की गई। एमपी ट्रांसको द्वारा जारी संबंधित जानकारी की प्रतियां भी कर्मचारियों को वितरित की गईं, ताकि वे अपने अधिकारों एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी सुविधाओं से पूर्णत: अवगत रह सकें।जीरो एक्सीडेंट नीति को सफल बनाने का लिया संकल्प-

कार्यशाला में श्री पटेल ने कहा कि सुरक्षित कार्य व्यवहार, नियमित निरीक्षण एवं निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन ही दुर्घटनामुक्त एवं विश्वसनीय विद्युत पारेषण व्यवस्था की आधारशिला है। उपस्थित कर्मचारियों ने सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने तथा कंपनी की जीरो एक्सीडेंट नीति को सफल बनाने का संकल्प लिया।

विकास और जनसेवा हमारी प्राथमिकता, जन-अपेक्षाओं को पूर्ण करना ही जनप्रतिनिधियों का मुख्य ध्येय- राज्य मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल- (आरएनएस) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि नागरिकों की अपेक्षाओं को पूर्ण करना तथा उनकी समस्याओं का स्थाई समाधान निकालना ही जनप्रतिनिधियों की वास्तविक प्रतिबद्धता है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर सोमवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के विभिन्न विकास एवं बुनियादी निर्माण कार्यों के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन-जन की सुविधाओं के विस्तार और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में अयोध्या एक्सटेंशन कॉलोनी में राजा मेडिकल स्टोर के पास 43 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़क तथा लेक सिटी कॉलोनी की मंदिर वाली गली में 33 लाख रुपये की लागत के सीसी सड़क निर्माण कार्य का विधि-विधानपूर्वक शुभारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त भेल नगर स्थित अर्धनारीश्वर शिव मंदिर परिसर में 6 लाख रुपये की लागत से कल्चरल हॉल निर्माण, मानक विहार में सी-3 फिटनेस क्लब के समीप 10 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली तथा जेपी कॉलोनी में हनुमान मंदिर के पास 6 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भी भूमि - पूजन हुआ। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने निर्माण एजेंसियों एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत समस्त निर्माण कार्यों को तय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को शीघ्र इन सुविधाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

प्रदर्शनी के माध्यम से युवाओं ने जाना, सरकार के 12 वर्षों का स्वर्णिम सफर प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि जनसामान्य तक महत्वपूर्ण संदेश पहुँचाने का प्रभावी माध्यम है

विविध प्रतियोगिताओं के साथ संपन्न हुई त्रिदिवसीय फोटो प्रर्दशनी

रैली निकालकर दिया गया, सेवा सुशासन का संदेश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, भोपाल द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर में आयोजित त्रिदिवसीय फोटो प्रर्दशनी सह विविध जागरूकता कार्यक्रम का समापन संवाद , रैली, विविध प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ ।

प्रदर्शनी में 卐सेवा, सुशासन के 12 वर्ष卐, 卐ङ्क्कत क्रूत 卐 एवं कारगिल विजय गाथा पर आधारित आकर्षक चित्रों के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकसित भारत के संकल्प तथा भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की ।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में 卐ङ्क्कत क्रूत जिला पंचायत जबलपुर की परियोजना अधिकारी श्रीमती रचना बोरिया ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया । दी गई जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को तुरंत पुरस्कृत किया गया, इसके बाद रंगोली स्पर्धा का आयोजन हुआ, आयोजित भाषण स्पर्धा में कॉलेज के विद्यार्थियों ने कारगिल विजय गाथा पर अपने अपने विचार रखे, तत्पश्चात गीत व नाटक दल के कलाकारों ने गीत संगीत के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी । तदुपरांत छात्र छात्राओं को लेकर नारों का संदेश देते हुई जागरूकता रैली निकाली गई ।

समापन अवसर पर अतिरिक्त संचालक संभागीय कार्यालय उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर व प्राचार्य डॉ अलकेश चतुर्वेदी, अतुल पांडे, प्रो अरुण शुक्ल, प्रो ए सी तिवारी, क्रीड़ा अधिकारी डॉ ज्योति जुनगरे की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व में व आज आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए, कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक डॉ चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जानकारी बढ़ाना है, उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारी मिलती है और आज आवश्यकता भी है कि हम समग्र रूप से युवाओं का विकास करें। अतुल पांडे ने इस अवसर पर कहा कि प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि जनसामान्य तक महत्वपूर्ण संदेश पहुँचाने का प्रभावी माध्यम है।

तीन दिनों तक चली इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, सहभागिता की । कार्यक्रम में डॉ बुशरा खान, डॉ उमा भारती, डॉ साक्षी मरावी, डॉ रुपाली उपाध्याय, डॉ मीनाक्षी मरावी, डॉ अजय ठाकुर, डॉ आनंद तिवारी, डॉ महेन्द्र कुशवाहा का सक्रिय सहयोग रहा ,कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों,मीडिया, सहयोगी संस्थाओं एवं उपस्थित नागरिकों , के प्रति आभार व्यक्त कर तीन दिवसीय फोटो प्रर्दशनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

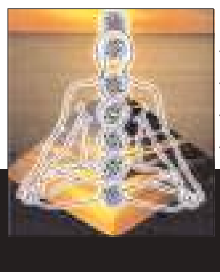

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

छीना-झपटी ठीक नहीं

विपक्ष को कॉकरोच आंदोलन में 'राजनीतिक पूंजी' नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने का है, लेकिन इन पार्टियों में अभी से इसकी छीना-झपटी के संकेत मिलने लगे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन देशवासियों के बड़े हिस्से का ध्यान खींचने में सफल रहा है। सोमवार को उसके संसद मार्च के दौरान बड़े पैमाने पर छात्रों पर दमन ने उसके एंजेडे के लिए समर्थन में और इजाफा किया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर डालने के लिए जगह-जगह हुए स्वत:स्फूर्त प्रतिरोध से साफ है कि जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ हो गया है। ऐसे में विपक्षी दलों को इस आंदोलन में 'राजनीतिक पूंजी' नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने तथा उसे और बढ़ाने का है, लेकिन विपक्षी पार्टियों में अभी से इसकी छीना-झपटी शुरू होने के संकेत मिलने लगे हैं। मंगलवार को उनमें कॉकरोच आंदोलन के प्रति समर्थन जताने की होड़ लग गई। इस दौरान कुछ पार्टियों ने हिरासत से छात्रों को रिहा कराने और जख्मी छात्रों के इलाज में मदद करने की सराहनीय पहल की। लेकिन शाम होते-होते इस पूंजी को ज्यादा से ज्यादा हथियाने की होड़ के संकेत भी मिलने लगे। शुरुआत में कांग्रेस ने कॉकरोचों से दूरी बनाए रखी और उसके सोशल मीडिया समर्थक इस आंदोलन के पीछे किसी साजिश का संकेत देखते रहे। इस दौरान कॉकरोचों को आम आदमी पार्टी का मोर्चा या राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियतासे ध्यान भटकाने की भाजपा की साजिश साबित करने की पुरजोर कोशिश उन हलकों में हुई। लेकिन मंगलवार को जब देश भर से कॉकरोचों के लिए समर्थन उमड़ने लगा, तो कांग्रेस ने प्रधानमंत्री निवास के बाहर हाई प्रोफाइल धरना आयोजित कर दिया।

छात्र आंदोलन: प्रधानमंत्री के सेल्फी वीडियो संवाद के नीतिगत व सियासी मायने

जब नई दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र राजनीति गरमाई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही मोर्चा संभाल लिया और सोशल मीडिया मंच "इंस्टाग्राम" पर किए अपने एक लगभग 2.55 मिनट के सेल्फी वीडियो पोस्ट के माध्यम से जेन-जी से संवाद स्थापित कर विपक्षी नेताओं के सियासी चक्रब्यूह को सफलतापूर्वक भेद दिया। छात्र आंदोलन के दृष्टिगत प्रधानमंत्री के सेल्फी वीडियो संवाद के नीतिगत व सियासी मायने दूरगामी प्रभाव वाले साबित होंगे। सरकारीएजेंसियां

इस बात में कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के इस निर्णायक पहल से पुन: यह स्पष्ट हो गया कि पीएम मोदी भारतीय राजनीति पर गहरी पकड़ रखते हैं और जब जब सियासी फुटबॉल सुर्खियों में आता है, तब तब वह खुद ही आगे आकर कांग्रेस के नेता त्तिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ राजनीतिक मैदान का तगड़ा गोल मारते हुए उन्हें अप्रासंगिक बना डालते हैं।

बीते 12 वर्षों में ऐसे कई मौके आए जब भाजपा का विकल्प बनने चला कांग्रेस नीत विपक्ष अपने संकल्प सिद्धि की राह से ही भटक गया या प्रधानमंत्री की नीतिगत पहल से भटका दिया गया, राजनीतिक शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान का विषय है।

बहरहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जुलाई दिन गुरुवार की मध्य रात अपनी एक सेल्फी-स्टाइल वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसका केंद्र बिंदु हश्वश्वज्ञ और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसा संवेदनशील मुद्दा था। उस वीडियो में पीएम मोदी ने भावुकता भरे अंदाज में मुख्य रूप से निम्नलिखित बातें कहीं: भौगोलिकसंदर्भ

पहला, उन्होंने कहा कि पेपर लीक कोई साधारण घटना नहीं है, बल्कि इससे लाखों छात्रों और उनके परिवारों को गहरा दुख और मानसिक पीड़ा होती है। दूसरा, उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी और पेपर लीक रोकने के लिए व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा।

तीसरा, उन्होंने घोषणा की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल एक ऐसे विधेयक पर विचार करेगा, जिसमें पेपर लीक से जुड़े मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों का प्रावधान, दोषियों के लिए कड़े दंड, और परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को मजबूत करने के उपाय शामिल होंगे। चौथा और अंतिम, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता रही कि पेपर लीक के कारण छात्रों का एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद न हो।

देखा जाए तो यह वीडियो इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि प्रधानमंत्री ने इसे रात लगभग 11:52 बजे, अपेक्षाकृत अनौपचारिक सेल्फी वीडियो के रूप में जारी किया, जिसे कई विश्लेषकों ने युवाओं, विशेषकर त्नद्गठ्ठ-ँ, से सीधे संवाद स्थापित करने की नई शैली के रूप में देखा।

बाद में, उन्होंने दूसरे वीडियो में युवाओं को उनकी प्रतिक्रियाओं और सुझावों के लिए धन्यवाद भी दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे इंस्टाग्राम वीडियो में मुख्य रूप से युवाओं, खासकर छात्रों, को संबोधित किया। उनके संदेश का सार यह था कि पिछले वीडियो पर युवाओं की प्रतिक्रिया और सकारात्मक सुझावों के लिए वे आभारी हैं।

उन्होंने कहा,. कल देर रात आपसे जुड़ने का अवसर मिला। आपने मेरे वीडियो पर जिस तरह प्रतिक्रिया दी और सकारात्मक सुझाव दिए, उसके लिए आप सभी का धन्यवाद।" उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं का यह स्नेह और सुझाव सरकार के प्रयासों को और मजबूत करेंगे तथा उनका युवाओं से जुड़ाव और गहरा होगा।

दरअसल, यह वीडियो उनके उस पहले इंस्टाग्राम संदेश के बाद आया, जिसमें उन्होंने हश्वश्वज्ञ सहित परीक्षा-पत्र लीक के मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई, सख्त कानून और फास्ट-ट्रैक अदालतों की बात कही थी। दूसरे वीडियो का उद्देश्य उस पहले संदेश पर मिली प्रतिक्रिया के लिए युवाओं का आभार व्यक्त करना था।

राजनीतिक दृष्टि से, कई विश्लेषकों ने इसे त्नद्गठ्ठ-ँ युवाओं से सीधे डिजिटल संवाद स्थापित करने की रणनीति के रूप में देखा है, जबकि विपक्ष ने इसकी आलोचना भी की है।

यदि बात उसी इंस्टाग्राम वीडियो और उसके बाद की घटनाओं की है, तो यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि छात्र आंदोलन पर उसका निर्णायक प्रभाव पड़ा है।

अब तक मिली जानकारी के आधार पर कुछ संभावित प्रभाव दिखे हैं: जैसे आंदोलन की दिशा बदली, समाप्त नहीं हुई। हां, प्रधानमंत्री द्वारा सीधे छात्रों को संबोधित करने और पेपर लीक पर सख्त कानून तथा फास्ट-ट्रैक अदालतों की बात करने के बाद आंदोलन का फोकस केवल विरोध से हटकर सरकार के वादों के क्रियान्वयन पर भी आ गया। वहीं कुछ छात्रों में इसका सकारात्मक संदेश गया। कई छात्रों ने इसे इस संकेत के रूप में देखा कि सरकार ने उनकी चिंता को गंभीरता से लिया है और शीर्ष स्तर से प्रतिक्रिया आई है। वहीं कुछ छात्रों में संदेह भी बना रहा।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन: अस्तित्व पर मंडराता खतरा

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। भारतीयवायु सेना भर्ती

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है।

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

देश कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। मशहूरकोटेशन

बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था। कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ। युद्धऔर संघर्ष

सावन में उज्जैन-ओंकारेश्वर ही नहीं: मध्यप्रदेश के यह 7 शिव मंदिर भी हैं आस्था के बड़े केंद्र, हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं

सावन के पावन महीने में मध्य प्रदेश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों (महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर) के अलावा प्रदेश के 7 अन्य प्रसिद्ध शिवधामों में भी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। सावन का महीना शुरू होते ही मध्यप्रदेश के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगती है। महाकाल और ओंकारेश्वर की पहचान देशभर में है, लेकिन इनके अलावा भी प्रदेश में कई ऐसे शिवधाम हैं, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इन मंदिरों की अपनी अलग मान्यता, इतिहास और धार्मिक परंपराएं हैं।

भोजपुर स्थित भोजेश्वर मंदिर को 'पूर्व का सोमनाथ' भी कहा जाता है। यहां स्थापित विशाल शिवलिंग भारत के सबसे बड़े एकाश्म शिवलिंगों में गिना जाता है। माना जाता है कि इसका निर्माण राजा भोज ने कराया था। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

देर से आए और दुरुस्त भी नहीं हैं!

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस ने छात्रों के मुद्दे पर प्रदर्शन करने में बहुत देरी कर दी। अगर राहुल गांधी 17 जून की अपनी कोटा यात्रा के बाद इस अभियान को जारी रखते तो उनके सामने साख का सवाल नहीं खड़ा होता और न यह आरोप लगता कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि जून में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन शुरू करने में बहुत देर कर दी थी। तीन मई को नीट यूजी की परीक्षा हुई थी और सात मई को पेपर लीक की खबर आ गई थी।

एक साल के अंतराल पर यह दूसरी बार हुआ था। इससे पहले 2024 की नीट यूजी परीक्षा में भी पेपर लीक से लेकर परीक्षा केंद्र मैनेज होने की खबरें आई थीं। उस समय पूरी परीक्षा तो रद्द नहीं हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा था और कई केंद्रों पर दोबारा परीक्षा हुई थी। 2024 की परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। तभी एक साल के अंतराल पर फिर नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद छात्रों और युवाओं का उद्वेलित होना स्वाभाविक था। ध्यान रहे पिछले 10 साल में डेढ़ सौ परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें अनेक परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनमें एक लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए थे। तभी मई के पहले हफ्ते में पेपर लीक की खबर आने और 12 मई को परीक्षा रद्द होने के बाद ही कांग्रेस को यह मुद्दा उठाना चाहिए था और सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने इसकी लड़ाई भी सोशल मीडिया में लड़ी। जब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के आधार पर कॉकरोच जनता पार्टी बन गई और उसने छह जून के प्रदर्शन का ऐलान किया तब कांग्रेस ने उसके पीछे पीछे अपना कार्यक्रम घोषित किया।

कांग्रेस ने तय किया कि राहुल गांधी 17 जून को कोटा जाएंगे। उसके बाद एक लंबा गैप होगा, करीब 23 दिन का। फिर वे 10 जुलाई को प्रयागराज और 11 जुलाई को पटना में छात्रों से संवाद करेंगे और उसके बाद इन तीन कार्यक्रमों का समापन दिल्ली में होगा। यह 23 दिन का जो गैप था वह राहुल गांधी की अगंभीरता और उनकी राजनीति में निरंतरता की कमी को दिखाता है। बताया जा रहा है कि उनका 20 दिन से ज्यादा के लिए विदेश दौरे का निजी कार्यक्रम बना हुआ था। गौरतलब है कि लगभग उसी समय नीट यूजी के 23 लाख छात्र और सीबीएसई के 10वीं की बोर्ड के 18 लाख के करीब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे। सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग व्यवस्था ने छात्रों को बहुत परेशान किया था। लेकिन राहुल गांधी ने देश में रहते हुए भी इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया और फिर पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक विदेश चले गए। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी देश के छात्रों व युवाओं को यकीन दिला पाएंगे कि जरुरत होने पर वे उनके साथ खड़े होंगे और उनका मुद्दा उठाएंगे? इसमें संदेह है।

31 जुलाई तक चलेगा आस्था का पर्व

हिंदू धर्म में जया पार्वती के व्रत का खास महत्व होता है। इसमें लगातार 5 दिनों तक व्रत किया जाता है। इस दौरान भगवान शिव और मां पार्वती की जया के रूप में पूजा की जाती है। जया पार्वती व्रत अविवाहित कन्याएं और विवाहित महिलाएं दोनों रखती हैं। कुंवारी लड़कियां योग्य पति के लिए यह व्रत करती हैं। वहीं शादीशुदा महिला पति की लंबी उम्र और खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए यह व्रत करती हैं। इसके साथ ही संतान प्राप्ति के लिए भी जया पार्वती व्रत रखा जाता है। तो आइए जानते हैं जया पार्वती व्रत की तिथि, महूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

वैदिक पंचांग के मुताबिक हर साल आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी से जया पार्वती व्रत की शुरूआत होती है। इस बार 26 जुलाई 2026 की दोपहर 01:57 मिनट से त्रयोदशी तिथि की शुरूआत हुई थी। इस तिथि की समाप्ति आज यानी 27 जुलाई की दोपहर 04:14 मिनट पर होगा। ऐसे में जया पार्वती व्रत 27 जुलाई को शुरू हो रहा है। पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद शुद्ध कपड़े पहनें। फिर घर के मंदिर में एक छोटे पात्र में पानी में ज्वार और गेहूं के दाने बोएं। अब पात्र के ऊपर 3 या 7 बार कलावा लपेटें। जिसको कुमकुम से रंग लें। लकड़ी की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान शिव और मां पार्वती की मूर्ति को स्थापित करें। फिर हाथ में जल लेकर व्रत रखने का संकल्प लें।

आंदोलन की मर्यादा और लोकतंत्र की गरिमा

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवाद क्षमता और असहमति को सम्मान देने की परंपरा है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार से जवाब मांगने और शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराने का अधिकार संविधान प्रदान करता है। यही कारण है कि भारत में स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक अनेक जन आंदोलनों ने शासन-प्रशासन को जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक के बाद देशभर में विद्यार्थियों और विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए गए। लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर चिंता स्वाभाविक थी। प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर उठने वाला प्रत्येक प्रश्न केवल परीक्षा प्रणाली की नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता की भी परीक्षा होता है। इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न भी सामने रखा है क्या लोकतांत्रिक आंदोलनों की मर्यादा और अनुशासन पहले जैसा बना हुआ है? भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से विश्व की सबसे बड़ी साम्राज्यवादी सत्ता को चुनौती दी। जयप्रकाश नारायण, विनोबा भावे, सुंदरलाल बहुगुणा और अनेक सामाजिक नेताओं ने भी जन आंदोलनों को नैतिक शक्ति का माध्यम बनाया। इन आंदोलनों की सबसे बड़ी विशेषता थी—अनुशासन, संयम और जनहित के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता। वर्तमान समय में भी अधिकांश आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से होते हैं। किंतु कुछ अवसरों पर ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जिनमें सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, सुरक्षा बलों के साथ टकराव होता है या राजनीतिक और संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। ऐसी घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनती हैं, बल्कि आंदोलन के मूल उद्देश्य को भी कमजोर कर देती हैं। हिंसा और अराजकता कभी भी किसी जन आंदोलन की पहचान नहीं हो सकती।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी आंदोलन में यदि कुछ असामाजिक या उपद्रवी तत्व शामिल हो जाएं, तो उनके कृत्यों के आधार पर पूरे आंदोलन या सभी आंदोलनकारियों के उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जाना चाहिए। कानून का दायित्व है कि वह दोषी और निर्दोष के बीच स्पष्ट अंतर करे तथा प्रत्येक घटना की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाए। सरकारों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो केवल जांच या गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं होगी। परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा, ताकि युवाओं का विश्वास दोबारा स्थापित हो सके। लोकतंत्र में विश्वास केवल कानून से नहीं, बल्कि न्याय होता हुआ दिखाई देने से भी मजबूत होता है। दूसरी ओर, आंदोलनों का नेतृत्व करने वाले संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने समर्थकों को संविधान और कानून की मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। विरोध का उद्देश्य व्यवस्था में सुधार होना चाहिए, व्यवस्था को अस्थिर करना नहीं। किसी भी विचारधारा या राजनीतिक मतभेद के बावजूद सार्वजनिक संपत्ति राष्ट्र की संपत्ति है और उसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इसी प्रकार असहमति व्यक्त करते समय भाषा की मर्यादा बनाए रखना भी लोकतांत्रिक संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां विचारों का टकराव स्वाभाविक है, लेकिन यह टकराव संवाद में बदलना चाहिए, संघर्ष में नहीं। सरकार को आलोचना सुनने का धैर्य रखना होगा और नागरिकों को विरोध दर्ज कराने का संयम। लोकतंत्र तब सबसे मजबूत होता है, जब सत्ता जवाबदेह हो और समाज जिम्मेदार। आखिरकार, किसी मंत्री के इस्तीफे या सरकार के परिवर्तन से ही सभी समस्याओं का समाधान नहीं होता। स्थायी समाधान पारदर्शी नीतियों, प्रभावी प्रशासन, जवाबदेही और नागरिक सहभागिता से ही संभव है। आवश्यकता ऐसी लोकतांत्रिक संस्कृति विकसित करने की है, जहां आंदोलन जनहित के सशक्त माध्यम बने रहें, लेकिन उनकी पहचान अराजकता नहीं, बल्कि अनुशासन, संवेदनशीलता और रचनात्मक परिवर्तन से हो। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही उसकी सबसे बड़ी गरिमा भी।

अरविन्द रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

-:: आज का राशिफल ::-

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है।

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे,

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं, अपने काम को सावधानी और ईमानदारी से करें।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। अगर व्यवसाय से जुड़ा कोई कोर्ट केस चल रहा है, तो आज उसे सुलझाने का आज सही समय है।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बितेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। ऐसा करने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। आज बचपन का मित्र आपसे मिलने आ सकता है।

मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देने के तमिलनाडु सरकार के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसा कदम संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि इससे दूसरे लोगों के लिए भी ऐसी नौकरी की मांग करने का रास्ता खुल जाएगा। कोर्ट ने कहा कि कई अन्य लोग दूसरे सरकारी विभागों में नौकरी की तलाश कर रहे हैं, और करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को नौकरी देकर दूसरों को नज़रअंदाज़ करना सही नहीं होगा।

सरकार ने 2 बार ठुकराई धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की पेशकश? जानिए आखिर कैसे हुआ इस्तीफा

नई दिल्ली(आरएनएस)। नीट तथा कथित प्रश्नपत्र लीक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस घटनाक्रम के बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रधान इससे पहले भी दो बार इस्तीफा देने की पेशकश कर चुके थे, लेकिन सरकार ने उसे स्वीकार नहीं किया था। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार ने प्रारंभिक चरण में इस्तीफे की बजाय शिक्षा व्यवस्था में सुधार और व्यवस्थागत बदलावों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया था। सरकार का मानना था कि केवल मंत्री का इस्तीफा समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, बल्कि इससे यह संदेश जाएगा कि सरकार जिम्मेदारी निभाने के बजाय उससे बचने का प्रयास कर रही है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 20 जुलाई को वरिष्ठ मंत्रियों की एक बैठक के दौरान धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। हालांकि, उस समय सरकार ने उनका प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया और उनसे शिक्षा क्षेत्र में सुधारों का नेतृत्व जारी रखने का आग्रह किया।

रिपोर्ट के अनुसार, 20 जुलाई को आयोजित संसद मार्च के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को आगाह किया था कि कुछ राष्ट्रविरोधी तत्व आंदोलन का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

बताया गया कि जांच के दौरान कुछ ऐसे सामाजिक माध्यम खातों की पहचान हुई, जिनके पाकिस्तान से संचालित होने का संदेह था। वहीं दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल लगभग 400 ऐसे लोगों की पहचान की, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड बताया गया। इन सूचनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार की चिंता बढ़ गई थी।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांच वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक की थी।

बताया गया कि बैठक में संघ की ओर से सुझाव दिया गया कि 27 जुलाई तक आंदोलन को संवाद और अन्य उपायों से शांत करने का प्रयास किया जाए। यदि स्थिति सामान्य नहीं होती है, तो शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर विचार किया जा सकता है। साथ ही उत्तर प्रदेश और पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों पर आंदोलन के संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई।

सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अंततः तीन प्रमुख कारणों से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किया गया।

पहला, पुलिस कार्रवाई के बावजूद दिल्ली में विरोध प्रदर्शन लगातार तेज होते गए और कई अन्य शहरों तक फैल गए।

दूसरा, सरकार द्वारा उठाए गए कदम—जैसे त्वरित न्यायालयों के गठन की घोषणा, उच्च शिक्षा सचिव में बदलाव तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के 47 अधिकारियों को हटाने जैसी कार्रवाइयों का भी प्रदर्शनकारियों पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ा। तीसरा, सरकार को आशंका थी कि यदि आंदोलन और टकराव लंबा खिंचता है तो संसद का मानसून सत्र बाधित हो सकता है, जिससे विधायी कार्य प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में किए गए दावों पर अभी तक केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्रालय या संबंधित पक्षों की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि इन दावों की पुष्टि होती है, तो यह घटनाक्रम शिक्षा व्यवस्था, छात्र आंदोलनों और आगामी राजनीतिक रणनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाएगा।

नीट विवाद पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला, छात्रों से माफी मांगें प्रधानमंत्री ः केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। नीट पेपर लीक विवाद और छात्र आंदोलन को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के लिए सार्वजनिक माफी की मांग की है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष संसद के आगामी सत्र में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगा और सरकार से जवाब मांगेगा।

केरल के अलप्पुझा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं थी। उनका कहना था कि छात्रों को अपनी मांग रखने का अधिकार है और उनकी आवाज सुनने के बजाय उन पर कार्रवाई करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद सत्र से पहले विपक्षी दलों की बैठक बुलाई है।

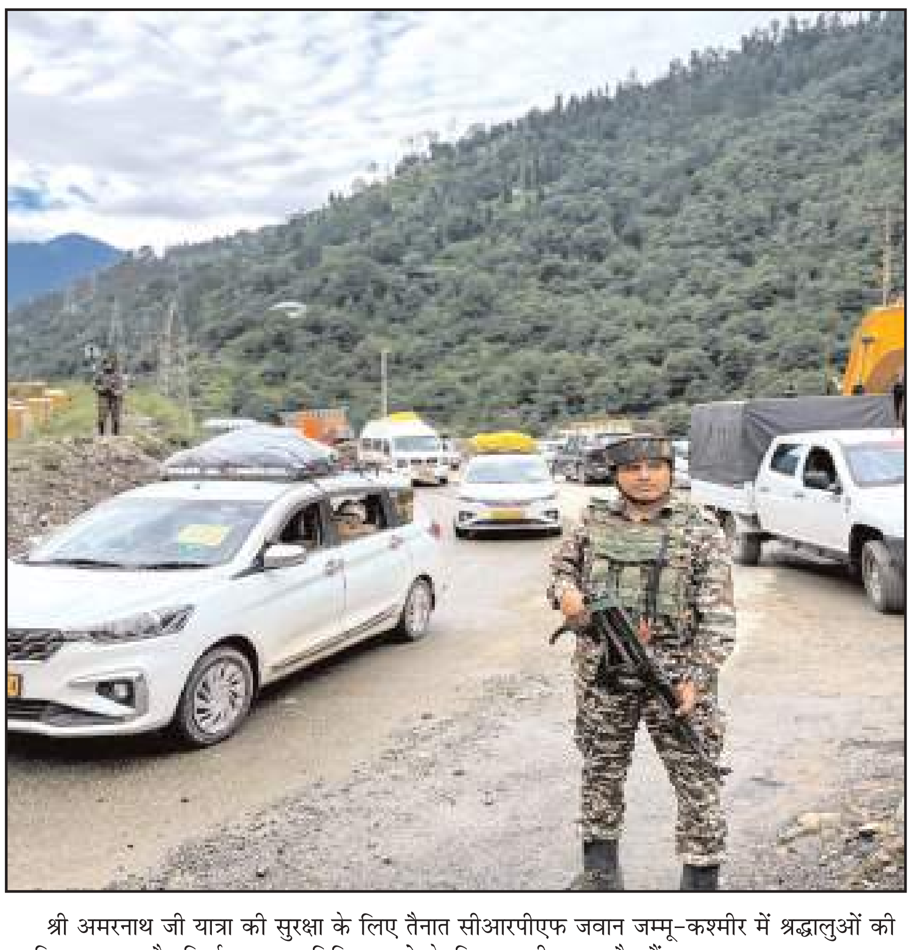

श्री अमरनाथ जी यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात सीआरपीएफ जवान जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ड्यूटी पर मुस्तैद हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख के द्रास में 27वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर, 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

साल में फीस और ट्यूशन का खर्च आय से भी तेज़ बढ़ा : जयराम रमेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में शिक्षा की बढ़ती लागत अब आम परिवारों के लिए सबसे बड़ा आर्थिक बोझ बन गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी यानी सीएमआईई

ने 2014/15 से 2025/26 तक के घरेलू व्यय के आंकड़ों का विश्लेषण कर जो रिपोर्ट जारी की है, उसने सरकार और नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। कांग्रेस नेता जय

राम रमेश ने इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षा अब सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि एक बड़ा आर्थिक संकट बनती जा रही है। सीएमआइई के मुताबिक पिछले एक दशक में शिक्षा पर होने वाला खर्च घरेलू आय की तुलना में कई गुना तेजी से बढ़ा है। यानी आपकी सैलरी जितनी बढ़ी, उससे कहीं ज्यादा स्कूल-कॉलेज और ट्यूशन की फीस बढ़ गई। इसी वजह से परिवार अब अपनी कुल आय का पहले से कहीं बड़ा हिस्सा सिर्फ बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करने को मजबूर हैं। जयराम रमेश ने सीएमआईई डेटा के 5 सबसे अहम बिंदु गिनाए। पहला, शिक्षा पर खर्च आय से तेज़ी से बढ़ रहा है। दूसरा, घरों का बजट अब पहले जैसा नहीं रहा - शिक्षा की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी है। तीसरा, निजी ट्यूशन शिक्षा पर खर्च का सबसे तेजी से बढ़ता हिस्सा बन गया है। कोचिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अब बिना ट्यूशन के संभव ही नहीं मानी जा रही। चौथा बिंदु सबसे ज्यादा चौंकाने वाला है। सीएमआईई कहता है कि पिछले 10 साल में स्कूल और कॉलेजों की फीस में हर साल जो बढ़ोतरी हुई है, वो उसी साल हुई घरेलू आय की बढ़ोतरी से भी ज्यादा रही है। यानी आमदनी 5त्न बढ़ी तो फीस 8-10त्न बढ़ गई। पांचवां, किताबों पर खर्च सबसे तेज़ी से बढ़ा है। पाठ्यपुस्तकों और रेफरेंस बुक्स की कीमतें आसमान छू रही हैं। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मॉक टेस्ट, स्टडी मटेरियल और ऑनलाइन कोर्स पर भी अभिभावक मोटा खर्च कर रहे हैं। हाल के हफ्तों में जंतर-मंतर और देश के कई शहरों में छात्र सड़कों पर उतरे। आंदोलन की तात्कालिक वजह प्रधानमंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री की जोड़ी पर लगी ञ्चधांधलीपूर्ण परीक्षा व्यवस्थाञ्ज के आरोप थे। पेपर लीक, रद्द परीक्षाएं और नतीजों में गड़बड़ी को लेकर छात्रों का गुस्सा फूटा। लेकिन जयराम रमेश ने कहा कि सीएमआईई के आंकड़े बताते हैं कि मामला सिर्फ पेपर लीक तक सीमित नहीं है। युवाओं और उनके माता-पिता की पीड़ा की जड़ें बहुत गहरी हैं। एक तरफ शिक्षा की पहुंच यानी सीटें, कॉलेज, क्वालिटी की समस्या है। दूसरी तरफ सामर्थ्य यानी फीस भरने की क्षमता की समस्या है। जब फीस, किताब और कोचिंग मिलाकर एक बच्चे की पढ़ाई पर सालाना लाखों का खर्च आने लगे, तो मध्यम वर्ग का बजट चरमरा जाता है। उन्होंने कहा कि छात्र अब सिर्फ परीक्षा में पारदर्शिता नहीं मांग रहे, बल्कि वे तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग है कि शिक्षा को फिर से किफायती बनाया जाए, सरकारी स्कूल-कॉलेजों की गुणवत्ता सुधारी जाए

करुणानिधि की पोती कायलविझी पर एसबीआई मैनेजर से मारपीट का आरोप, चेन्नई पुलिस ने दर्ज किया मामला

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के परिवार से जुड़ी कायलविझी के खिलाफ चेन्नई पुलिस ने एसबीआई के एक शाखा प्रबंधक के साथ कथित मारपीट और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, घटना बैंक परिसर में हुई, जहां शाखा प्रबंधक के साथ विवाद के दौरान कथित तौर पर उन्हें थप्पड़ मारा गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है।

पुलिस के मुताबिक यह घटना 20 जुलाई को चेन्नई के अडयार स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एनआरआई शाखा में हुई। शिकायत के अनुसार, कायलविझी शाखा प्रबंधक के कक्ष में बातचीत के लिए पहुंची थीं। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई और आरोप है कि विवाद बढ़ने पर उन्होंने बैंक प्रबंधक को थप्पड़ मार दिया। पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एसबीआई की ओर से मिली शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में बैंक अधिकारी के साथ मारपीट करने और धमकाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे, शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत, शिव सेना नेता आदित्य ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरदचंद्र पवार विधायक रोहित पवार ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी पार्क में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जश्न मनाया।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले अन्ना हजारे, कहा- लोकतंत्र में संवाद और अहिंसा ही सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और नीट पेपर लीक विवाद को लेकर चले छात्र आंदोलन के बीच समाजसेवी अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद या जनसमस्या का समाधान हिंसा से नहीं, बल्कि संवाद, धैर्य और शांतिपूर्ण आंदोलन से ही संभव है। 89 वर्षीय अन्ना हजारे ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए अहिंसा का मार्ग अपनाना आवश्यक है। उनका कहना था कि शांतिपूर्ण आंदोलन सरकार तक जनता की बात प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न जनहित के मुद्दों पर 22 बार अनशन किए, लेकिन कभी हिंसा का सहारा नहीं लिया। उनके अनुसार, बातचीत और आपसी समझ से ही सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और लोकतंत्र की मजबूती भी इसी में है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि इस घटनाक्रम को जीत या हार के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण बात जनता की चिंताओं को गंभीरता से सुनना और उनका समाधान तलाशना है।

छात्र प्रदर्शन पर राहुल गांधी ने अमित शाह से मांगा जवाब, पुलिस कार्रवाई और पेलेट गन के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग किया गया और सरकार से इसकी जवाबदेही तय करने की मांग की। राहुल गांधी ने 25 जुलाई 2026 को लिखे पत्र में कहा कि छात्र शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि उनकी मांगों पर संवाद करने के बजाय सुरक्षा बलों ने आंसू गैस, पेलेट गन और अन्य बल प्रयोग का सहारा लिया, जिससे बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आईं। पत्र में राहुल गांधी ने पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विशेष सवाल उठाया। उन्होंने गृह मंत्री से पूछा कि छात्रों के खिलाफ ऐसे हथियारों के उपयोग की अनुमति किसने दी। यदि यह फैसला गृह मंत्रालय की ओर से नहीं लिया गया, तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन था और आदेश किस स्तर पर जारी किया गया। उन्होंने उन लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठाया, जो कथित तौर पर सादे कपड़ों में प्रदर्शनकारियों की पिटाई करते हुए दिखाई दिए। राहुल गांधी ने पूछा कि क्या वे पुलिसकर्मी थे या किसी अन्य एजेंसी अथवा स्वयंसेवी समूह से जुड़े लोग।

ब्रह्मोस से विक्रम-1 तक, 'मन की बात' में भारत की बढ़ती ताकत का जिक्र, जयशंकर ने साझा किए अहम बिंदु

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मन की बात के 136वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर बार की तरह विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी उपलब्धियों और आम लोगों की बात की। कार्यक्रम में उन सफलताओं को भी रेखांकित किया गया, जिनमें भारतीय धुरंधरों ने विदेशों में देश का नाम रोशन किया या भारत की तकनीकी क्षमता को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री के संबोधन के प्रमुख सात बिंदुओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। जयशंकर ने अपनी पोस्ट में सबसे पहले कारगिल विजय दिवस पर पीएम की कही बात का जिक्र किया। उन्होंने कहा, कारगिल विजय दिवस हर भारतीय को गर्व से भर देता है और यह देश के वीर जवानों के असाधारण साहस की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक साख का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया का भरोसा भारतीय रक्षा उपकरणों और तकनीक पर बढ़ रहा है। इसी क्रम में इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों को लेकर हुए महत्वपूर्ण समझौतों पर पीएम ने प्रकाश डाला।

हिमाचल प्रदेश के शिमला में, ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से मिली जानकारी के बाद, हिमाचल प्रदेश रा%य आपदा प्रतिक्रिया बल के जवान शोगी-मेहली बाईपास पर अश्वनी खड्ड के पास शव निकालने के अभियान में जुटे हैं।

वाराणसी में मॉनसून के मौसम में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने पर नावें घाट पर लंगर डाले खड़ी हैं।

तेलंगाना सरकार 21 वर्ष में चुनाव लड़ने की पात्रता पर लाएगी प्रस्ताव, विशेष सत्र बुलाने का ऐलान

हैदराबाद,(आरएनएस)। तेलंगाना सरकार लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने की मांग को लेकर जल्द ही विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि अगस्त के पहले सप्ताह में प्रस्ताव पारित कर इसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। उनका कहना है कि युवाओं को राजनीति में अधिक अवसर देने के लिए संविधान में आवश्यक संशोधन किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा ह्रश्वश्वज्ञ पेपर लीक मामले को लेकर आयोजित कैंडल लाइट रैली को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि युवाओं के आंदोलन ने केंद्र सरकार पर दबाव बनाया, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ना पड़ा। उन्होंने युवाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी को संसद और विधानसभाओं तक पहुंचने का अवसर मिले।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि 21 वर्ष की आयु में युवा ढ्वस्र् और ढ्ढक्क जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए पात्र होते हैं तथा मेयर और जिला परिषद अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ सकते हैं।

ऐसे में विधायक और सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु भी 21 वर्ष की जानी चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष किए जाने और पी.वी. नरसिम्हा राव के कार्यकाल में युवाओं को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने का अवसर दिए जाने का भी उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि भविष्य में राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि %जेन जी% का कोई प्रतिनिधि केंद्रीय शिक्षा मंत्री बने। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वह ढ्ढहृष्ठ्ढ गठबंधन के नेताओं से भी चर्चा करेंगे ताकि युवाओं की भागीदारी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस संसद में ह्रश्वश्वज्ञ आंदोलन के दौरान छात्रों और युवाओं पर दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग करेगी। साथ ही, पेपर लीक प्रकरण के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने का मुद्दा भी उठाया जाएगा। कैंडल मार्च में राज्य के डिप्टी मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, कई मंत्री, ष्टक्कढ्ढ के नेता और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।

भारतीय सिनेमा की सबसे भव्य और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक द प्राइड ऑफ़ भारत‌ः छत्रपति शिवाजी महाराज% को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का इस मल्टीस्टारर फिल्म की कास्ट में स्वागत किया है। फिल्म में भूमि पहली बार दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज स्टार ऋषभ शेट्टी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

देसी लुक में छाईं अवनीत कौर, गुलाबी सलवार-सूट में दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ वह अपने कमाल के फैशन सेंस और बोल्ड चॉइस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में अवनीत ने इंस्टाग्राम पर एथनिक लुक में कुछ बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में अवनीत कौर ने गहरे गुलाबी रंग का पारंपरिक सलवार-सूट पहने नजर आ रही हैं। उनके कुर्ते के नेकलाइन और स्लीव्स पर गोल्डन जरी और गोटा-पत्ती का हैवी वर्क है, जो उन्हें एक रॉयल लुक दे रहा है।

इसके साथ ही अवनीत ने मैचिंग की नेट की चुनरी कैरी की है,

जिस पर छोटी-छोटी चमकीली बूटियों का काम है। पटियाला स्टाइल सलवार और स्लीव्स पर बने कट-डिज़ाइन उनके पूरे आउटफिट को पारंपरिक होने के साथ-साथ ट्रेंडी और मॉडर्न टच दे रहे हैं।

अवनीत का हेयर स्टाइल उनके इस देसी लुक को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। उन्होंने अपने बालों को हाफ-अप, हाफ-डाउन स्टाइल में ट्विस्ट करके पीछे पिन किया हुआ है, जबकि बाकी के बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ खुला छोड़ दिया है। मेकअप की बात करें तो उन्होंने ग्लोइंग बेस के साथ न्यूड विंग्ड आईलाइनर,

पिंक ब्लश और ग्लॉसी लिप्स चुने हैं। माथे पर लगी एक छोटी सी काली बिंदी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।

द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 का ऐलान, सामने आया करण जौहर के शो का

धमाकेदार टीजर

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने सुपरहिट और थ्रिलर रियलिटी शो द ट्रेटर्स इंडिया के दूसरे सीजन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही निर्माताओं ने एक शानदार टीजर भी जारी किया है, जिसने सोशल मीडिया पर आते ही धमाका कर दिया है। टीजर में दिल्ली और मुंबई की व्यस्त सड़कों पर नकाबपोश लोग हाथों में खंजर लिए घूमते हुए दिख रहे हैं, जो इस शो के डरावने और सस्पेंस से भरे माहौल की झलक दिखाता है। अमेजन प्राइम वीडियो ने रियलिटी शो द ट्रेटर्स इंडिया 2 का टीजर जारी कर दिया है। सस्पेंस, रणनीति और धोखे पर आधारित इस शो के टीजर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। वीडियो में लाल रंग के कपड़ों और मास्क में लोग नई दिल्ली और मुंबई के बाजारों, मेट्रो और एयरपोर्ट्स पर खंजर लिए घूमते दिख रहे हैं।

मां इंटि बंगारम ने बनाया रिकॉर्ड, बनी 2026 की तमिल की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फीमेल लीड फिल्म मां इंटि बंगारम की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई है. इसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं. फिल्म ने इंडिया में तो बवाल काटा ही साथ ही नॉर्थ अमेरिका में भी शानदार प्रदर्शन किया. इसने 100% से ज्यादा का प्रॉफिट भी कमा लिया है. चलिए बताते हैं फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में कितना कमाया. फिल्म मां इंटि बंगारम ने नॉर्थ अमेरिका में भी जबरदस्त कमाई की है. फिल्म को 19 जून को रिलीज किया गया था और अमेरिका में प्रीमियर में इसने 280के की अच्छी कमाई की, जबकि पहले दिन (प्रीमियर मिलाकर) कुल 533.4के की कमाई की. नॉर्थ अमेरिका में फिल्म सक्सेसफुल रही.

नरगिस फाखरी का तेलुगू डेब्यू, नेनु रेडी के कोनचम कोनचम गाने से मचाया धमाल

नरगिस फाखरी ने फिल्म नेनु रेडी से तेलुगू इंडस्ट्री में कदम रखा है, जिसका पहला गाना कोनचम कोनचम अब जारी हो गया है।

इस गाने में हवीश और काव्या थापर की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जबकि नरगिस इसमें एक खास भूमिका में दिखेंगी।

थ्रिनाधा राव नकिने के निर्देशन में बनी और कोनेरू सत्यनारायण व निखिला कोनेरू द्वारा हार्निक्स इंडिया एलएलपी के बैनर तले निर्माता की गई यह फिल्म टॉलीवुड में एक नई जान फूंकने वाली लग रही है।

कोनचम कोनचम एक खुशनुमा और रोमांटिक गाना है, जिसे मिकी जे मेयर ने कंपोज किया है और समीरा भरद्वाज ने अपनी आवाज दी है।

इसके बोल सरस्वतीपुत्र रामजोगय शास्त्री ने लिखे हैं। फिल्म में मुख्य किरदारों के अलावा, आपको ब्रह्मानंदम, वेनेला किशोर और मुरली शर्मा जैसे जाने-पहचाने चेहरे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अपने कैची म्यूजिक और शानदार विजुअल्स के साथ, नेनु रेडी तेलुगू सिनेमा के नए दौर के

प्रशंसकों को खूब पसंद आ सकती है।

जना नायकन ने दो दिन में वर्ल्डवाइड जड़ा शतक, कॉलीवुड की 15 फिल्मों को दी मात, बना दिया ये रिकॉर्ड

बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की आखिरी पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा जना नायकन ने अपनी रिलीज के दूसरे दिन भी दर्शकों को सिनेमाघरों में खूब एंटरटेन किया. हालांकि दूसरे दिन फिल्म की कमाई में 50 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई बावजूद इसके जना नायकन ने सेकंड डे भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया. यहां तक कि वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने एक बड़ा मील का पत्थर भी पार कर लिया है.

सैकनिल्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक, थलापति विजय की फ़िल्म जना नायकन ने रिलीद के दूसरे दिन भारत में 12,190 शो में कुल 21.15 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है. इसी के साथ भारत में फिल्म की दो दिनों की नेट कमाई 63.85 करोड़ और कुल ग्रॉस कलेक्शन अब 75.00 करोड़ रुपये हो गया है. जना नायकन की ओवरसीज में डंका बज रहा है.विदेशों में फिल्म ने दूसरे दिन 10.00 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसका ओवरसीज का टोटल कलेक्शन 37.50 करोड़ रुपये हुआ है. वहीं वर्ल्डवाइड फिल्मका ग्रॉस कलेक्शन 112.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. यानी इस फिल्म ने रिलीज के दो दिन में ही 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर डाली है. जना नायकन ने वर्ल्डवाइड दूसरे दिन कॉलीवुड की साल की 15 फिल्मों को मात देकर दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मूवी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. ये बस अब करुप्पु से पीछे है. बता दें कि करुप्पु की वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कमाई 314.79 करोड़ रुपये है. ये साल की वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुज फिल्मों की लिस्ट में नंबर वन पर है. वहीं अब दूसरे नंबर पर 112.50 करोड़ की कमाई के साथ जना नायकन काबिज हो गई है. जना नायकन को एच विनोथ ने डायरेक्ट किया

धमाल 4 ने 15वें दिन तोड़ा वेलकम टू द जंगल का रिकॉर्ड, वर्ल्डवाइड कमा डाले इतने करोड़

धमाल 4 ने सिनेमाघरों मे रिलीज के दो हफ्ते पूरे कर लिए हैं और ये अब तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. दिलचस्प बात ये है कि कई नई हिंदी फिल्मों और थलापति विजय की जना नायकन के हिंदी वर्जन के सिनेमाघरों में आने के बावजूद, इसकी कमाई में कोई गिरावट नहीं आई. बल्कि, तीसरे शुक्रवार को फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी देखी गई. इसी बीच, इसने अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल को पीछे छोड़ते हुए बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. चलिए यहां फिल्म के

कोईमोई के मुताबिक 14वें दिन की 2.42 करोड़ ग्रॉस (2.05 करोड़ नेट) कमाई के मुकाबले, इस एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म ने रिलीज के तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन भारत में 2.83 करोड़ ग्रॉस (2.4 करोड़ नेट) की कमाई करके बढ़त दिखाई. वहीं विदेशों में कमाई 25 लाख पर स्थिर रही. कुल मिलाकर, तीसरे फ्राइडे इस फिल्म ने ग्लोबली 3.08 करोड़ ग्रॉस की कमाई की, जो गुरुवार की 2.67 करोड़ ग्रॉस कमाई से 15.36% ज़्यादा है.

रिपोर्ट के मुताबिक धमाल 4 ने भारत में 15 दिनो में 145.73 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है. वहीं भारत में इसकी 171.96 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है. जबकि विदेशों में इसने अब तक 24.2 करोड़ रुपये कमाए हैं. दोनों को मिलाकर, 15 दिनों का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 196.16 करोड़ रुपये (ग्रॉस) रहा है.

धमाल 4 साल ने अपनी बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस से इम्प्रेस किया है. रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री करते ही इसने बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. दरअसल ये साल 2026 में दुनिया भर में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली चौथी बॉलीवुड फिल्म बन गई है. रिलीज के 15 दिनों में 196.16 करोड़ रुपये (कोईमोई के आंकड़े) की कमाई के साथ अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 ने अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल के दुनियाभर में 195.45 करोड़ रुपये के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. इसी के साथ ये वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफ़िस पर इस साल की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है.

गौरतलब है कि वेलकम टू द जंगल अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है, लेकिन धीमी रफ़्तार के कारण यह अजय देवगन स्टारर फिल्म को पीछे नहीं छोड़ पाएगी.

धमाल 4 इस पॉपुलर फ्रैंचाइजी की चौथी इंस्टॉलमेंट है. ये फिल्म 20 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है. कोईमोई के मुताबिक ये फिल्म 150 करोड़ के बजट में बनाई गई है.

हर किसी की बात मानकर हां कहने की आदत बदलने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

कई लोग दूसरों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी यह आदत हमारी अपनी जरूरतों को नजरअंदाज करने पर मजबूर कर देती है। हर किसी की बात मानने की आदत से हमारा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इस आदत को बदल सकते हैं और अपने समय और ऊर्जा का सही उपयोग कर सकते हैं।

खुद पर ध्यान दें

सबसे पहले खुद पर ध्यान देना जरूरी होता है। अगर आप हमेशा दूसरों की मदद करते रहते हैं तो आपको खुद की देखभाल करने का समय नहीं मिलता।

खुद के लिए समय निकालें, चाहे वह कुछ मिनट ही क्यों न हों। योग, ध्यान या कोई भी शौक अपनाएं, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

इससे आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे और दूसरों की मदद करने के लिए भी तैयार रहेंगे।

न कहना सीखें

कई बार हमें लगता है कि अगर हम न कहेंगे तो सामने वाले को बुरा लग जाएगा या हमारी छवि खराब हो जाएगी।

हालांकि, यह जरूरी नहीं कि हर बार हम हां ही कहें।

अगर आपके पास समय नहीं है या आप किसी काम के लिए तैयार नहीं हैं तो बेझिझक न कहें। इससे आपका आत्म-सम्मान बढ़ेगा और आप अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकेंगे।

याद रखें, न कहना भी एक कला है।

प्राथमिकताएं तय करें

अपने कामों की प्राथमिकताएं तय करें, ताकि आप समझ सकें कि कौन-सा काम सबसे अहम है और किसे बाद में किया जा सकता है। इससे आपका समय बचेगा और आप अनावश्यक दबाव से बच सकेंगे। प्राथमिकताएं तय करने से आप अपनी दिनचर्या को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर पाएंगे और मानसिक शांति भी मिलेगी।

इससे आपका मन हमेशा तनाव से बचा रहेगा और आप ज्यादा सहज महसूस करेंगे।

समय सीमा तय करें

जब कोई नया काम आता है तो उसके लिए एक समय सीमा तय करनी काफी जरूरी होती है, ताकि आप जान सकें कि कब तक आपको वह काम करना है।

इससे आप बिना किसी तनाव के अपने सभी काम पूरे कर सकेंगे और अतिरिक्त समय मिल सकेगा। समय सीमा तय करने से आपकी उत्पादकता भी बढ़ेगी और आप अनावश्यक दबाव से बच सकेंगे।

सीमाएं तय करने के लिए न कहना भी काफी अहम है।

खुद को प्राथमिकता दें

आखिर में सबसे जरूरी बात है कि खुद को सबसे पहले रखें। अगर आप खुद ही ठीक नहीं रहेंगे तो दूसरों की मदद कैसे कर पाएंगे? इसलिए, अपनी सेहत, मानसिक शांति और खुशियों का ध्यान रखें। खुद के लिए समय निकालें, आराम करें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में समय बिताएं।

पीने का पानी सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

पीने का पानी सेहत के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन अगर यह गंदा हो जाए तो इससे कई बीमारियां हो सकती हैं। गंदे पानी के कारण दस्त, पीलिया, पोलियो और हैजा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पीने का पानी साफ और सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने घर में पीने का पानी साफ और सुरक्षित रख सकते हैं।

पानी को उबालें

पानी को उबालना एक आसान और असरदार तरीका है, जिससे आप उसे कीटाणुओं और जीवाणुओं से मुक्त कर सकते हैं।

पानी को उबालने से पहले उसे एक पैन या बर्तन में डालें और उसे कम से कम 5-10 मिनट तक उबालें।

इसके बाद इसे ठंडा करके किसी साफ बोतल या बर्तन में भर लें और ठंडे स्थान पर रख दें। इस तरह से पानी पीने के लिए सुरक्षित हो जाएगा।

क्लोरीन की गोलियों का करें इस्तेमाल

क्लोरीन की गोलियां भी पानी को साफ करने का एक अच्छा तरीका है। ये गोलियां पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु और वायरस को मार देती हैं।

इन्हें इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले एक लीटर पानी में एक क्लोरीन की गोली डालें और उसे अच्छे से हिलाएं। 30 मिनट बाद यह पानी पीने के लिए तैयार हो जाएगा।

ध्यान रखें कि इस पानी को सीधे धूप में न रखें क्योंकि इससे क्लोरीन की ताकत कम हो सकती है।

जल शुद्धिकरण मशीन का करें उपयोग

जल शुद्धिकरण मशीन नई तकनीक पर आधारित होती है, जो पानी को छानकर उसे साफ करती है। यह मशीन पानी की गंदगी को हटाकर उसे पीने योग्य बनाती है।

इस मशीन का उपयोग करने से न केवल पानी साफ होता है बल्कि इसका स्वाद भी बेहतर हो जाता है।

इसे घर में लगाने से आप हर समय साफ और सुरक्षित पानी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

प्राकृतिक तरीके अपनाएं

प्राकृतिक तरीके जैसे कि सूरज की किरणों का उपयोग करके भी पानी को साफ किया जा सकता है।

इसके लिए पानी को साफ कांच या प्लास्टिक बोतल में भरकर उसे सूरज की रोशनी में रख दें। लगभग 6 घंटे बाद यह पानी पीने योग्य हो जाएगा। इन तरीकों का पालन करके आप अपने घर में पीने के लिए साफ और सुरक्षित पानी उपलब्ध करा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -111

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

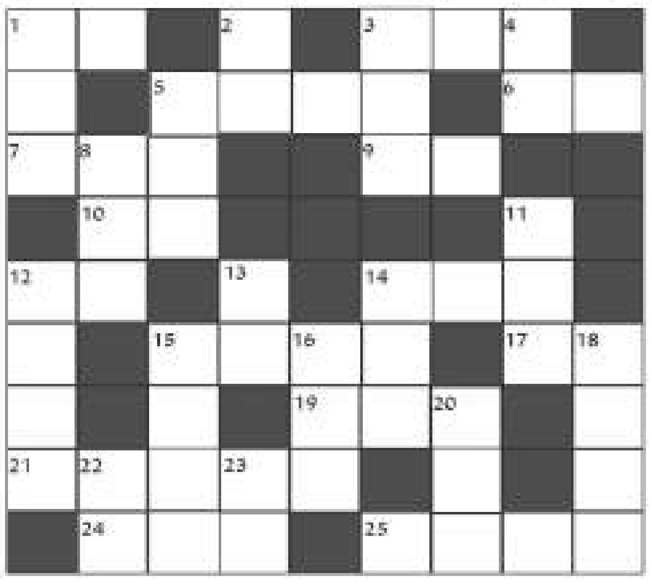

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 110 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में मोह. मुश्ताक खान उम्र 81 वर्ष निवासी दरबार होटल के पास ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज रात लगभग 1-30 बजे वह रद्दी चौकी से अपने घर मानसरोवर कालोनी जा रहा था जैसे ही सजनी शोरूम के सामने पहुॅचा तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी सीएफ6472 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये आग चल रहे 2 अलग अलग स्कूटी वालों को टक्कर मार दिया जिससे दोनों वहीं पर गिर गये उसने दोनों घायलों को देखा जो उसके दोस्त मोह. शोकत एवं मोह. शकील हैं

जान जोखिम में डालकर निगम की अग्नि शमन टीम ने 1 घंटे में आग पर पाया काबू- जानकारी लगते ही मौके पर खुद पहुॅचे महापौर, अमले को दिये राहत पहुॅचाने के निर्देश

उखरी के पारस टेंट में आग लगने की सूचना मिलते ही 5 मिनिट में पहुॅंची नगर निगम की टीम, कोई जनहानि नहीं - महापौर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। उखरी स्थित पारस टेंट हाउस में अचानक आग लगने की घटना के बाद नगर निगम के दमकल विभाग और महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही नगर निगम की अग्नि शमन टीम मात्र 5 मिनट के भीतर मौके पर पहुँची और अपनी जान जोखिम में डालकर महज 1 घंटे में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। इस दौरान सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि पूरी घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

बिल्डिंग के मापदण्डों की कराई जायेगी जॉच - महापौर

आग की सूचना मिलते ही दमकल गाड़ियों और अमले ने बिना कोई समय गंवाए महज 5 मिनट में मोर्चा संभाला। घटना की जानकारी मिलते ही महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' खुद मौके पर पहुँचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लेते हुए निगम अमले को तेजी से राहत कार्य चलाने और आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षित करने के निर्देश दिए। जोखिम भरे माहौल के बावजूद दमकल कर्मियों ने अदम्य साहस दिखाते हुए 1 घंटे में आग को पूरी तरह बुझा दिया, जिससे आस-पास की इमारतों को नुकसान पहुँचने से बचा लिया गया। इस अवसर पर पार्षद अतुल जैन दानी भी उपस्थित रहे।

सुरक्षा मानकों की होगी गहन जाँच

महापौर श्री अन्नू ने कहा कि नगर निगम की टीम ने त्वरित और साहसिक कार्रवाई करते हुए समय रहते आग पर काबू पा लिया है, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस संबंध में बिल्डिंग के सभी आवश्यक मापदण्डों और सुरक्षा मानकों की गहन जाँच कराई जायेगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शहर को सुगम और स्वच्छ बनाने के लिए चला विशेष अभियान

नगर निगम मोबाइल कोर्ट ने अतिक्रमण पर की त्वरित कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने, पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा करने और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज नगर निगम द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल की अगुवाई में शाम 4 बजे मोबाइल कोर्ट का संचालन किया गया, जिसने छोटी लाइन फाटक से लेकर रामपुर चैक और साउथ एवेन्यू मॉल तक विशेष अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान यातायात में बाधक बन रहे अवैध अतिक्रमणों, ठेले-टपरियों को हटाया गया और जब्ती की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही फुटपाथ पर कब्जा करने वालों और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मौके पर ही स्पॉट चालान बनाकर सख्ती दिखाई गई। छोटी लाइन फाटक से रामपुर चैक और साउथ एवेन्यू मॉल का मार्ग शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक है। यहाँ अवैध कब्जे और सड़क पर ठेले खड़े होने से जाम की स्थिति बनी रहती थी। निगम की इस त्वरित और समन्वित कार्रवाई से न केवल वाहन चालकों को सुगम रास्ता मिलेगा, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ भी सुरक्षित और साफ-सुथरे हो गए हैं।

नगर निगम मजिस्ट्रेट के साथ नगर निगम का अतिक्रमण निरोधक अमला, ट्रैफिक पुलिस, थाना गोरखपुर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम एक साथ मैदान में उतरी, जिससे नागरिकों को अव्यवस्था से तुरंत राहत मिली। कार्यवाही के समय यातायात डी.एस.पी. बैजनाथ प्रजापति, यातायात थाना प्रभारी इंद्रा, सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, दीपेंद्र रावत, दल प्रभारी अंकित पारस, अभिषेक समुद्रे, दुर्गा राव, लक्ष्मण कोरी, कुलदीप त्रिपाठी, नदीम अहमद खान, आरिफ खान स्वास्थ से आनन्द राव एवं बाल कृष्ण आदि उपस्थित रहे।

हर काल में साहित्य, समाज का मार्गदर्शक .!

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी में जो कि नूतन मराठी स्कूल गोल बाजार में वरिष्ठ समाज से भी प्रकाश दुबे की अध्यक्षता एवं श्री वसंत शर्मा,सुवीर श्रीवास्तव के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई.! अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहित्य हर काल में समाज का मार्गदर्शक रहा है.! एवं समाज को एक नया रास्ता दिखाया है किसी भी राष्ट्र या सभ्यता की जानकारी उसके साहित्य से ही हमें प्राप्त होती है.! साहित्य समाज रूपी साहित्य की आत्मा है जो हमेशा अजर - अमर रहती है.! इस अवसर पर विजय विश्वकर्मा एवं संतोष नेमा संतोष के काव्य पटल का अनावरण किया गया.! संयोजक विजय नेमा अनुज ने वर्तिका की पिछले 35 वर्षों की निरंतरता एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने कहा कि वर्तिका ने हमेशा नवोदित साहित्यकारों को मंच देखकर प्रोत्साहित किया है ! राजेश पाठक प्रवीण ने अपने-अपने विशिष्ट उद्बोधन में संस्कारधानी की साहित्यिक परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि यहां बड़े-बड़े साहित्यकार हुए हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर संस्कारधानी का नाम गौरवान्वित किया है.! अतिथि स्वागत महेश स्थापक ने किया ! सरस्वती वंदना सुभाषमणि बैरागी द्वारा प्रस्तुत की गई एवं कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विनीता पैगवार विधि एवं आभार रजनी कोठारी द्वारा किया गया.! कार्यक्रम के द्वितीय चरण में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें साहित्यकारों में साहित्य की तमाम विधाओं में अपनी काव्यात्मक रचनाओं की प्रस्तुति दी जिनमें यह प्रश्न जरूरी था उत्तर भी जरूरी है क्या विधवा नारी की पहचान जरुरी है ,आओ अब इंसान बने हम मानवता की आन बने हम,जिनकी आँखों में ख्वाब होते हैं!

वो बड़े लाजवाब होते हैं.गुड से गुरुरी ये बुंदेली यार,आदि रचनाएं खूब सराही गईं.!गोष्ठी में निर्मला तिवारी,हीराधर बड़गईयां,श्रीमती सुशील जैन, जयप्रकाश श्रीवास्तव, दीनदयाल तिवारी, सिद्धेश्वरी सराफ शीलू, सोहन सलिल,ज्योति प्यासी,प्रिन्सी पाटकर,खुशी सेन, निर्मला श्रीवास्तव, कालीदास ताम्रकार, मनोज जैन,वंदना सोनी, विजय बेशर्म,प्रभा श्रीवास्तव बच्चन,डॉ अनिल कोरी,तरुणा खरे,प्रतीक्षा सेठी,युनुस अदीब, कुंजीलाल चक्रवर्ती,अनुराधा गर्ग, आदि आदि कवियों ने अपनी सहभागिता दी.! इस अवसर पर मंजू इंगले, अमित बाबा, दिवाकर शर्मा,अनिल विश्वकर्मा ,आर के पासी,शेखर शर्मा,

बच्चन श्रीवास्तव,विजय सिन्हा, रमाकांत गौतम,सुनील तोमर,विनोद विश्वकर्मा,की उपस्थिति उल्लेखनीय रही.!

महापौर और विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी के बीच केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर हुई सकारात्मक चर्चा

विकास की गति रहे बरकरार - विधायक रोहाणी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर में निरंतर गति पकड़ रहे विकास और जनसेवा के कार्यों को लेकर केन्ट विधानसभा क्षेत्र के कार्यों पर आज सार्थक चर्चा हुई। बैठक के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने केन्ट विधानसभा के सर्वांगीण विकास पर विस्तार से चर्चा की और विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी द्वारा प्रस्तावित तीन प्रमुख विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान करते हुए उन पर अपनी मुहर लगा दी।

विकास कार्यों की सराहना और निरंतरता पर जोर

बैठक में विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने शहर में तेज गति से संचालित हो रहे विकास और जन-कल्याणकारी कार्यों के लिए नगर निगम और महापौर श्री अन्नू के प्रयासों की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर में जिस तेजी से विकास की बयार बह रही है, उसकी गति इसी प्रकार बरकरार रहनी चाहिए ताकि केन्ट क्षेत्र का कोई भी नागरिक सुविधाओं से वंचित न रहे।

विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने कहा कि शहर में विकास और सेवा के कार्य जिस गति से चल रहे हैं, वह प्रशंसनीय हैं। विकास की इस रफ्तार को रुकने नहीं दिया जाएगा। विधायक श्री रोहाणी द्वारा क्षेत्र के हित में सुझाए गए तीन प्रमुख विकास प्रस्तावों को महापौर एवं निगमायुक्त ने तत्काल स्वीकृति प्रदान की। जल्द ही इन परियोजनाओं पर जमीनी स्तर पर काम शुरू होगा। भीषण ग्रीष्म ऋतु के दौरान केन्ट विधानसभा क्षेत्र में सुचारू और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विधायक ने नगर निगम की टीम की पीठ थपथपाई। निकट भविष्य में यदि पर्याप्त वर्षा नहीं होती है, तो नागरिकों को जल संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए वैकल्पिक जलापूर्ति व्यवस्थाओं और अग्रिम रणनीतियों पर सार्थक व दूरदर्शी चर्चा की गई।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच की यह आपसी तालमेल और सकारात्मक सोच केन्ट विधानसभा क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी, पार्षद अनुराग दाहिया, निशांत झारिया, श्रीमती संतोषी ठाकुर, श्रीमती सावित्री शाह गोंड एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अज्ञात तत्वों ने दुकान में लगाई आग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ,घमापुर थाना अंतर्गत डी वी क्लब के बाजू में स्थित एक चाय नाश्ता की दुकान पर अज्ञात तत्वों के द्वारा पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई ,दुकान संचालक रंजीता राय ने बताया कि वह रात में लगभग 10ः00 बजे दुकान बंद करके अपने घर पर सो रही थी ,तभी 2ः00 बजे के आसपास उनको किसी के द्वारा सूचना दी गई, कि उनकी दुकान में आग लग गई है जब वह अपने परिवार के साथ आकर देखा तो दुकान जल रही थी, तत्काल ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई फायर ब्रिगेड ने तत्काल ही आग पर काबू पाया किसकी शिकायत थाना घमापुर में भी दे दी गई है दुकान में रखा हुआ लगभग? चालीस हजार का सामान जलकर राख हो गया है वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अभियंताओं को मिला विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण

ऑरेकल प्राइमावेरा पर 20 अभियंताओं को मिला उन्नत प्रशिक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने ऊर्जा परियोजनाओं के बेहतर नियोजन और समयबद्ध क्रियान्वयन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने अभियंताओं के लिए विश्वस्तरीय ऑरेकल प्राइमावेरा सॉफ्टवेयर पर दो सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आधुनिक परियोजना प्रबंधन तकनीकों से अभियंताओं को दक्ष बनाकर कंपनी की कार्यकुशलता और परियोजना निष्पादन क्षमता को और मजबूत करना रहा।

कंपनी के मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग एवं परियोजना उत्पादन विभागों के 20 चयनित अभियंताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बड़े एवं जटिल विद्युत परियोजनाओं की योजना तैयार करने, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, लागत नियंत्रण, समय प्रबंधन तथा परियोजनाओं की सतत निगरानी जैसी आधुनिक कार्यप्रणालियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

ऑरेकल प्राइमावेरा पी-6 विश्वभर में निर्माण, ऊर्जा, विनिर्माण तथा अवसंरचना परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए सबसे भरोसेमंद सॉफ्टवेयरों में माना जाता है। यह परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, जोखिम प्रबंधन, संसाधनों के अनुकूल उपयोग, डैशबोर्ड आधारित निगरानी तथा रियल-टाइम प्रगति विश्लेषण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है, जिससे परियोजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध संचालन संभव हो पाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को प्रोजेक्ट शेड्यूलिंग, प्रोजेक्ट कॉस्टिंग, रिसोर्स प्लानिंग, क्रिटिकल पाथ एनालिसिस, प्रोजेक्ट प्रोग्रेस ट्रैकिंग सहित सॉफ्टवेयर की विभिन्न उन्नत विशेषताओं से परिचित कराया। प्रशिक्षण के दौरान वास्तविक परियोजनाओं से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से सॉफ्टवेयर के उपयोग की बारीकियां भी समझाई गईं।

कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन दीपक कश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की प्राथमिकता केवल बिजली उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि अपने मानव संसाधन को भी नवीनतम तकनीकों से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि कंपनी समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है, ताकि अभियंता बदलती तकनीकों के अनुरूप अपनी दक्षता बढ़ा सकें और भविष्य की परियोजनाओं का नेतृत्व अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रशिक्षण एवं विकास डॉ. अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और आधुनिक परियोजना प्रबंधन की जरूरतों के अनुरूप तैयार की जा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कंपनी की परियोजनाओं की गुणवत्ता, दक्षता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को नई गति प्रदान करेंगे।

दूध डेयरियों का निरीक्षण कर लिये गये नमूने

जबलपुर,-दूषित खाद्य पदार्थों के विक्रय को रोकने कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के तहत आज सोमवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने दूध डेरीयों का निरीक्षण किया तथा परीक्षण हेतु दुग्ध उत्पादों के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत औद्योगिक क्षेत्र उमरिया डुंगरिया स्थित श्री नारायण डेरी चिलिंग प्लांट का निरीक्षण कर दूध, पनीर, दही एवं खोवा,के नमूने जांच हेतु लिये। इसी प्रकार गुप्तेश्वर स्थित मदर डेरी का निरीक्षण कर दूध एवं पनीर, गढ़ा स्थित प्रज्ञा डेरी से पनीर तथा मारवाड़ी डेरी से पनीर एवं दही के नमूने जांच हेतु लिए गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार सभी नमूने परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

नगर-डगर

जबलपुर दिन मंगलवार 28 जुलाई 2026

दैनिक क्षितिज किरण 8

जबलपुर। थाना अधारताल में मोह. मुश्ताक खान उम्र 81 वर्ष निवासी दरबार होटल के पास ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज रात लगभग 1-30 बजे वह रद्दी चौकी से अपने घर मानसरोवर कालोनी जा रहा था जैसे ही सजनी शोरूम के सामने पहुँचा तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी सीएफ 6472 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये आग चल रहे 2 अलग अलग स्कूटी वालों को टक्कर मार दिया जिससे दोनों वहीं पर गिर गये उसने दोनों घायलों को देखा जो उसके दोस्त मोह. शोकत एवं मोह. शकील हैं

गिरवी रखी बाइक छुड़ाने पहुंचे दो भाइयों ने लाठी-डंडों से किया हमला, इलाज के दौरान मौत

दिनदहाड़े युवक की चाकू मारकर हत्या

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। बरगी थाना क्षेत्र स्थित मनकेड़ी गांव में ब्याज के पैसों को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद दो सगे भाइयों ने एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र और बाद में मेडिकल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ब्याज पर रुपए उधार देता था मृतक

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अशोक उइके के रूप में हुई है। अशोक मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। इसके अलावा वह गांव के जरूरतमंद लोगों को छोटी-छोटी रकम ब्याज पर उधार भी देता था। इसी लेन-देन से जुड़ा एक पुराना मामला उसकी मौत की वजह बन गया।

चार महीने पहले गिरवी रखी गई थी बाइक

जानकारी के मुताबिक गांव के रहने वाले विमल नेताम ने करीब चार महीने पहले अपनी बाइक अशोक उइके के पास ?9,500 में गिरवी रखी थी। दोनों के बीच

यह सहमति बनी थी कि यदि अशोक बाइक का उपयोग करेगा तो उस पर अलग से ब्याज नहीं लिया जाएगा। इसी समझौते के आधार पर बाइक अशोक के पास रखी गई थी।

बाइक छुड़ाने पहुंचे भाइयों से हुआ विवाद

रविवार शाम विमल नेताम के बेटे लालू नेताम और दिनेश नेताम बाइक छुड़ाने के लिए अशोक के घर पहुंचे। दोनों ने गिरवी रखी गई रकम लौटाकर बाइक वापस लेने की बात कही। इसी दौरान अशोक ने 10 प्रतिशत के हिसाब से ब्याज की राशि भी मांगी। ब्याज को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई।

पुलिस जांच में सामने आया है कि विवाद बढ़ने पर लालू और दिनेश नेताम ने अशोक के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों भाइयों ने लाठी-डंडों से अशोक पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। हमला करने के बाद दोनों आरोपी बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल अशोक को तत्काल बरगी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया। सोमवार सुबह इलाज के दौरान अशोक ने दम तोड़ दिया।

मां की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज

अशोक की मौत के बाद उसकी मां ने बरगी थाने पहुंचकर दोनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज करते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की।

दोनों आरोपी पुलिस हिरासत में

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला ब्याज के पैसों और गिरवी रखी बाइक से जुड़े विवाद का सामने आया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अभिरक्षा में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

घमापुर क्षेत्र में प्रापर्टी विवाद पर युवक की हत्या, सरेराह घटना से मची चीख पुकार, अफरातफरी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बेलबाग थानान्तर्गत घमापुर चौराहा के पास आज शाम प्रापर्टी को लेकर उपजे विवाद पर एक युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। हमला होते देख युवक का भाई पहुंचा तो उसपर भी हमला किया गया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य आरोपियों को पकडने् के लिए पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार विशाल नामक युवक का क्षेत्र के कुछ युवकों ने प्रापर्टी को लेकर पुराना विवाद चला आ रहा है। जिसके चलते बदमाश हर वक्त बदला लेने की फिराक में रहते थे। आज शाम दोनों ही पक्ष आमने सामने हो गए, जिनके बीच विवाद हो गया, विवाद कुछ ही पल में खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। जिसपर सावन सोनकर, रेयांश रैकवार, बल्लू और साहिल ने मिलकर विशाल पर धारदार

हथियारों से हमला कर दिया। हमले में विशाल के शरीर पर गंभीर चोटें आई। हमला होते देख भाई बीच बचाव करने आया तो उसपर भी हमला किया गया। सरेराह घटना होते देख आसपास के लोगों में चीख पुकार अफरातफरी मच गई। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और विशाल को उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने मौके से ही सावन सोनकर और रेयांश रैकवार को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस हत्या के पीछे की वजह और पुरानी रंजिश के पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

शादी का झांसा देकर फार्मेसी छात्रा से दुष्कर्म, जबरन कराया गर्भपात, इंटर्नशिप के दौरान हुई थी पहचान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के फार्मासिस्ट द्वारा फार्मेसी की छात्रा को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने और बाद में शादी से मुकरने का मामला सामने आया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय पीड़िता एक निजी कॉलेज से फार्मेसी की पढ़ाई कर रही है। नवंबर 2025 में इंटर्नशिप के दौरान उसकी मुलाकात एक निजी अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट नीरज राठौर से हुई थी। मूल रूप से अनूपपुर निवासी नीरज वर्तमान में जबलपुर के धनवंतरी नगर इलाके में रह रहा था।

अस्पताल में साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। आरोपी नीरज ने पीड़िता को अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी करने का भरोसा दिलाकर नजदीकियां बढ़ाईं।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि 13 मार्च को नीरज ने अपने रूममेट के जन्मदिन की पार्टी का बहाना बनाकर उसे अपने कमरे पर बुलाया था। देर रात पार्टी खत्म होने के बाद छात्रा वहीं रुक गई। इसी दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने जल्द शादी करने का आश्वासन दिया और मामले की शिकायत किसी से न करने की बात कही।

पारस टेंट के गोदाम में लगी भीषण आग, उखरी पुलिस चौकी के सामने घटना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में उखरी रोड बल्देबाग में आज उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब पुलिस चौकी के सामने स्थित पारस टेंट सप्लायर्स के गोदाम में अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही पल में भीषण रुप धारण कर लिया, जिसकी लपटें दूर दूर तक दिखाई देने लगी। आग देख राह चलते लोग रुक गए, जिनकी सूचना पर पहुंची दमकल की गाडि़यों ने आग पर काबू पाया। उस वक्त तक गोदाम में रखा लाखों रुपए का टेंट का सामान जलकर खाक हो चुका था।

बताया गया है कि उखरी पुलिस चौकी के सामने पारस टेंट सप्लायर का गोदाम है, जहां से टेंट का लाखों रुपए का सामान रखा है। यहां पर आज शाम 5 बजे के लगभग अचानक आग लग गई। अंदर ही अंदर धधक रही आग ने कुछ ही देर में विकराल रुप धारण कर लिया। गोदाम के अंदर से आग की लपटें उठने लगी जिसे देखकर राह चलते लोग रुक गए, यहां तक कि आसपास के लोग दुकानों से बाहर आ गए। जिनकी सूचना पर पहुंची दमकल की पांच गाडि़यों ने आग पर काबू पा लिया, उस वक्त तक गोदाम में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो चुका था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/76 2026-27 दिनांक 05/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000507482, में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती माया देवी** के स्थान पर आवेदक- **श्री अनंत विजय लखनपाल, पिता स्व. श्री शांति प्रकाश लखनपाल** ने **मकान नं. 1794 , वार्ड क्र. 12 , ... वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 1548 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, रजि.हकत्याग पत्र, शपथ पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/112 दिनांक 27.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री विजय कुमार श्रीवास्तव एच.यू.एफ., पिता- श्री एस.के.श्रीवास्तव** ने मकान नं. 761/जी.एफ.-एस-15 **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** भूतल 332 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/49 दिनांक 12.05.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती हसीना बैगम, पति- मोहम्मद सुबराती,** ने खसरा नं. 184/2 का भाग, प्लाट नं. ए- 7 पिन. नं. 1000403352 **वार्ड पं. मोती लाल नेहरू वार्ड,** क्षेत्रफल 1103 व.फु. खाली प्लाट, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/44 दिनांक 12.05.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती शबाना बैगम, पति मो. हकीम, एवं श्री मो. हकीम, पिता मो. शफी, मो. अजहर शेख, पिता- मो. हकीम,** ने खसरा नं. 184/3/15/2 पिन. नं. 1003914833 **वार्ड चितरंजन दास वार्ड,** क्षेत्रफल 1260 व.फु., भूतल 1150 व.फु. आर.सी.सी. पक्का **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/126 दिनांक 27.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती मजू राय, पति- श्री महेश राय** ने मकान नं. आर- 63 विजय नगर पिन. नं. 1000418378 **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 1237.50 व.फु. खाली प्लाट, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/एम 174/ दिनांक 27.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री रंगलाल चक्रवर्ती, पिता स्व. श्री जेठूलाल चक्रवर्ती** संपत्ति पिन नं. 1000588611, भवन क्रं. 790, **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** प्लाट क्षेत्रफल 2400 व.फु., भूतल 700 व.फु., **खसरा प्रपत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम भवन क्रं. 790, **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती सरस्वती बाई, पति- श्री जेठू के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/एम 175/ दिनांक 27.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती आशा लाडे, पति श्री अजाब राव लाडे** संपत्ति पिन नं. 1000596174, भवन क्रं. 744, प्लॉट नं. 274, **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** प्लाट क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 1000 व.फु., प्रथमतल 940 व.फु., **विक्रयपत्र,,** के आधार पर नगर निगम भवन क्रं. 744, प्लॉट नं. 274, **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री सुरेश चंद्र सावरे/ श्री बाबूराव सावरे के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -250 दिनांक 27.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती मुक्ति सिंह राजपूत, पति श्री अकलेश कुमार,** ने मकान नं. 283, सम्पत्ति पिन नं. 900030119 **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 2400 व.फु. **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -249 दिनांक 27.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्री राहुल चौरसिया, पिता स्व. श्री देव नारायण, 2. श्री राकेश चौरसिया, पिता स्व. श्री देव नारायण चौरसिया** ने मकान नं. 12 का भाग, सम्पत्ति पिन नं. 1000606907 **वार्ड विवेकानंद-21 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1000 व.फु. **दानपत्र, खसरा पी-1, पी-2** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 301/ 2026/27 दिनांक 23.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती रोशनी बर्मन, पति श्री राजा बर्मन** ने भवन क्रं. ई.डब्ल्यू.एस. -34 पिन क्र. 1000507977 **वार्ड क्र. 05, वार्ड- सरदार बल्लभ भाई पटेल वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार)श्रीमती राम बाई पटेल, पति- कुजीलाल लाल पटेल, प्लाट क्षेत्रफल 330 व.फु. भूतल 160 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 300/ 2026/27 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री गोपाल दास रावत, पिता- भगवान दास रावत, 2. श्रीमती उर्मिला रावत, पति श्री गोपाल दास रावत** ने भवन क्रं. एम.आई.जी. सी-252 पिन क्र. 1000491248 **वार्ड क्र. 16, वार्ड- महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार)श्री आकाश पाण्डे, पिता- रामकिशोर पाण्डे, प्लाट क्षेत्रफल 1452 व.फु. भूतल 545 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 302/ 2026/27 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती शिवानी जैन, पति- साहिल जैन, 2. श्रीमती संध्या जैन, पति श्री जितेन्द्र जैन,** ने भवन क्रं. एम.आई.जी. जे.आर.-75 पिन क्र. 1000491221 **वार्ड क्र. 16, वार्ड- महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री मुन्ना लाल पटेल,पिता- बारे लाल पटेल, भूतल 905 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 300 व.फु. आर.सी.सी., , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 299/ 2026/27 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री संजय सिंह राजपूत, पिता- नारायण सिंह राजपूत** ने भवन क्रं. एल.आई.जी. 350 पिन क्र. 1000498926 **वार्ड क्र. 16, वार्ड- महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री नारायण सिंह, पिता- बाबू सिंह, भूतल 450 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 450 व.फु. आर.सी.सी., , **दानपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 296/ 2026/27 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती शकुन अग्रवंशी, पति- हरिप्रसाद अग्रवंशी,** ने भूखंड/ खसरा क्रं. 39,662/7/7 पिन क्र. 1000532154 **वार्ड क्र. 03, वार्ड- त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती रश्मि चौकसे, पति- राजीव चौकसे, क्षेत्रफल 1000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 298/ 2026/27 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री विशाल कुमार शर्मा, पिता- चेतराम शर्मा, 2. श्रीमती प्रीति शर्मा, पति श्री विशाल कुमार शर्मा** ने भूखण्ड क्रं. बी-1 फेस-3 पिन क्र. 1004441266 **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती रिचा मिश्रा, पति- श्रीकांत मिश्रा, प्लाट क्षेत्रफल 1250 व.फु., भूतल 1250 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 1250 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 297/ 2026/27 दिनांक 22.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती मिथला बाई राजपूत, पति- महेन्द्र सिंह राजपूत** ने भूखण्ड/ खसरा क्रं. 08/ख.38/1 पिन क्र. 2000121013 **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री ओमपुरी गोस्वामी, पति- घनश्याम पुरी गोस्वामी, प्लाट क्षेत्रफल 1000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026 एम. 295/ 2026/27 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री विनय कुमार पाण्डेय, पिता- ओंमकार प्रसाद पाण्डेय, 2. श्रीमती दीपशिखा, पति श्री विनय कुमार पाण्डेय** ने भवन क्रं. 925/3 पिन क्र. 1000501454 **वार्ड क्र. 06, वार्ड- इंदिरा गांधी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) ....प्लाट क्षेत्रफल 2026 व.फु., भूतल 1800 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 800 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096